

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>>

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा...



भाजपा का कार्यकर्ता कर्मयोगी : स्मृति

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी ने अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन की बैठकों को सम्बोधित करते हुए कहा है कि यह दो दिवसीय चिंतन का यह अवसर आत्ममंथन, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करने और उस संकल्प को दोहराने का है, जिसने भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक हमारे हर कदम को दिशा दी है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी श्रीमती इरानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता कर्मयोगी है उनके कर्मयोग से ही संगठन हमेशा मजबूत होता है। यह राष्ट्र प्रथम के विचार और कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ पसीने से सिंचित वैचारिक आंदोलन है। हमारी रीति-नीति ‘एकात्म मानववाद’ और ‘अंत्योदय’ की उस भावना से बंधी है, जहाँ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही हमारी सफलता का पैमाना है। इस यात्रा में जिस तत्व ने हमें सबसे अलग और अडिग बनाया है, वह है हमारा ‘अनुशासन’ है। पद बदलते रहेंगे, दायित्व आते-जाते रहेंगे, लेकिन कार्यकर्ता सदैव स्थायी होता है। सार्वजनिक जीवन में जब आप और हम खड़े होते हैं, तो लोग केवल एक व्यक्ति को नहीं देखते, वे



भाजपा प्रदेश संगठन की दूसरे दिन की बैठक संपन्न

भारतीय जनता पार्टी की मजबूत विचारधारा से जुड़े होते हैं। सादगी हमारे सार्वजनिक जीवन का स्थायी आभूषण होनी चाहिए। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी श्रीमती इरानी ने कहा कि आज तकनीक का युग है, सोशल मीडिया पर संवाद जरूरी है, लेकिन वह कभी ज़मीनी स्पर्श का विकल्प नहीं हो सकता। हमें गाँव-गाँव, पारा-टोला और बस्तर से लेकर सरगुजा तक जन-जन से सघन संपर्क साधना होगा और आमजन के सुख-दुख में उनकी चौखट पर और मजबूती से खड़ा होना, उनकी बात को सुनना और समाधान तक पहुँचाना, यही कार्यकर्ता का सच्चा धर्म है। जब कार्यकर्ता जनता के बीच बिना किसी औपचारिकता और सादगी के साथ बैठता है, तब संगठन परिवार बन जाता है। प्रदेश प्रभारी श्रीमती

इरानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की देवतुल्य जनता ने हम पर गहरा विश्वास जताया है। यह विश्वास एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी लेकर आया है। आगामी समय में हमें न केवल इस भरोसे को बनाए रखना है, बल्कि संगठन के विस्तार को प्रत्येक बूथ तक ले जाकर अभेद्य बनाना है। छत्तीसगढ़ जितना सुंदर है उतने ही सुंदर व सुशील यहां के कार्यकर्ता हैं। हम सबके पराक्रम व परिश्रम से फिर से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाएंगे। यह हम सबका संकल्प है।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर (प्रदेश भाजपा कार्यालय) में बैठकों का सघन दौर चला। उन्होंने आगामी राजनीतिक रणनीतियों को गति देने के उद्देश्य से मौजूदा

विधायकों, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, प्रदेश मंत्रिमंडल और भाजपा कोर ग्रुप के साथ चरणबद्ध बैठकें कीं।

बैठक के प्रथम सत्र में मौजूदा विधायकों की बैठक हुई। इसमें जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियाव्ययन, जनता से सीधा संवाद और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया। द्वितीय सत्र की बैठक में श्रीमती इरानी ने लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और संसदीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक के तृतीय सत्र में प्रदेश मंत्रिमंडल के साथ बैठक हुई। इस दौरान प्रदेश सरकार की योजनाओं को अधिक जनमानस तक पहुँचाने की अपील की। बैठकों के अंतिम सत्र में भाजपा कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। श्रीमती इरानी के मार्गदर्शन में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों व भावी रणनीतियों पर गहन मंथन कर रूपरेखा तय की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश सह प्रभारी सिध्दार्थ शंभू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, सहित मंत्री, सांसद, विधायक व कोर ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे।

विपक्ष की रैली के दिन 1 नवंबर को भाजपा भी उतरेगी मैदान में

नई दिल्ली। विपक्षी इंडिया ब्लॉक एक नवंबर को बड़ी रैली करने की तैयारी कर रहा है। इसके जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी उसी दिन से महीनेभर का अभियान शुरू करने जा रही है। इसके तहत बड़े राजनेता एक साथ अलग-अलग जगहों पर पदयात्राएं करेंगे। यह अभियान इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित रैली के जवाब में आयोजित किया जा रहा है। इंडिया ब्लॉक की यह बड़ी रैली एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होगी। इसका नाम वोट बचाओ, देश बचाओ रखा गया है। भाजपा शासित राज्यों के बड़े मंत्री और मुख्यमंत्री देशभर में पदयात्राओं में हिस्सा लेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गवौन के भी कुछ कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2



नवंबर को हैदराबाद में पदयात्रा में शामिल होने की संभावना है। वह 5 नवंबर को हरियाणा में भी पदयात्रा में हिस्सा ले सकते हैं।

इंडिया ब्लॉक की रैली

इंडिया ब्लॉक ने चुनाव आयोग के विरोध में इस बड़ी रैली का एलान किया है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में अनियमितताएं हो रही हैं। विपक्षी नेताओं ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने कार्यक्रम के

लिए अनापति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया था। इसके तहत 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक सुरक्षा और यातायात के समन्वय को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, रैली की तय तारीख को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन पर लगातार निशाना साध रही है। भाजपा का कहना है कि 1 नवंबर 1984 में दिल्ली में हुए सिख-विरोधी दंगों की बरसी है। इसके अलावा, चैंबर ऑफ ट्रेड इंड एंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखा है। इसमें व्यापारियों के संगठन ने त्योहारों के सीजन को देखते हुए रैली को 10 नवंबर के बाद आयोजित करने की अपील की है।

महाराष्ट्र में 33% वोटरों के नाम हटने पर लगी याचिका

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षणप्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए दस्तावेज (दावे और आपत्तियां सहित) जमा करने की समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया। हालांकि, सीजोई सूर्य कांत, जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने ईसीआई को नोटिस जारी कर एक याचिका पर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अरूण आनंदगिरी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि ईसीआई की एसआईआर प्रक्रिया के तहत राज्य की मतदाता सूची से 33% मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने पीठ को बताया कि मुंबई और पुणे में लगभग 3,500 पुनर्विकास परियोजनाएं चल रही हैं। इसके तहत पुरानी

आवासीय कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है, जिससे हजारों लोगों को दूसरी जगह जाना पड़ रहा है। ऐसे में, पता और अन्य विवरण न मिल पाने के कारण उनके नाम मतदाता सूची से कटने का खतरा पैदा हो गया है। वरिष्ठ वकील ने यह निर्देश देने की भी मांग की कि ईसीआई को उन लोगों के लिए एक नया फॉर्म लाना चाहिए, जिनके नाम हटाने के चुनावों में मतदाता सूची में शामिल थे। दातार ने कहा, मौजूदा मतदाताओं से फॉर्म 6 भरने के लिए कहना गलत है; फॉर्म 6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए है, न कि उन मतदाताओं के लिए जो पहले से ही सूची में शामिल हैं। वकील ने मांग की कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए दावों और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा को आगे बढ़ाया जाए, ताकि लोगों को ऐसा करने के लिए और समय मिल सके।

अनबिल महेश पर 100 करोड़ के स्कूल घोटाले का आरोप

चेन्नई। चेन्नई पुलिस ने तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोड़ी को कथित 100 करोड़ रुपये के स्कूल मान्यता घोटाले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि निजी स्कूलों को सरकारी मान्यता, स्कूलों का स्तर बढ़ाने की मंजूरी और अन्य जरूरी अनुमतियां दिलाने के नाम पर स्कूल प्रबंधन से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूली गई। मद्रास हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद सोमवार को केंद्रीय अपराध शाखा की टीम ने चेन्नई स्थित उनके अपार्टमेंट से उन्हें गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस के साथ प्रवर्तन निदेशालय भी जांच कर रहा है। चेन्नई पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने सोमवार को अनबिल महेश पोय्यामोड़ी को गिरफ्तार किया। वह तमिलनाडु में स्कूल शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। पुलिस की टीम चेन्नई के अमिनजिकरई स्थित उनके अपार्टमेंट पहुंची और उन्हें हिरासत में लिया। यह कार्रवाई मद्रास हाईकोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद हुई।



अरुणाचल प्रदेश में चीन के कब्जे का दावा झूठा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक छेड़छाड़ किए गए वीडियो को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। इस वीडियो में झूठा दावा किया गया है कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया है और सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को ज़रूरी सामान नहीं मिल रहा है। सेना ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सेना के अनुसार, यह वीडियो डिजिटल रूप से बदला गया है और इसमें एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के नाम पर मनगढ़त बातें कही गई हैं। सेना के आधिकारिक फैक्ट-चेकिंग हैंडल, इंडियन आर्मी फैक्ट चेक ने बताया है कि इस वीडियो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके लिप-सिंकिंग और वॉयस क्लोनिंग की गई है। इससे ऐसा लगता है कि स्पीयर कॉर्प्स (3 कॉर्प्स) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने ये कथित बयान दिए हैं। वीडियो में इन दावों को इस तरह पेश किया गया है, जैसे कि यह किसी अधिकारी द्वारा की गई कोई लीक हुई स्वीकारोक्ति हो।



भारत में 2001 से 2025 के बीच 5.6 प्रतिशत घटा हरित क्षेत्र

नई दिल्ली। भारत में 2001 और 2025 के बीच हरित क्षेत्र में कमी आई है और इसके अनुरूप गैर-हरित क्षेत्रों में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसने पूरे देश में गर्मियों के तापमान को बढ़ाने में योगदान दिया है। एक नए विश्लेषण में यह बात सामने आई। दिल्ली स्थित जलवायु अनुसंधान संगठन 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' द्वारा सोमवार को जारी विश्लेषण में कहा गया, 2001 से 2025 के बीच दोनों प्रकार के भू-आवरण वाले क्षेत्रों के औसत प्रारम्भिकालीन तापमान में लगभग एक से 2.5 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। यह भूमि की सतह के तापमान को नियंत्रित करने में वनस्पतियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। अध्ययन के अनुसार, भारत का हरित क्षेत्र 2001 में लगभग 36.95 प्रतिशत से घटकर 2025 में 31.35 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि के दौरान गैर-हरित भूमि 63.05 प्रतिशत से बढ़कर 68.65 प्रतिशत हुई, जो देश के बड़े हिस्सों में मानव-निर्मित और बहुत कम वनस्पति वाले क्षेत्रों के लगातार विस्तार को दर्शाती है।

बिना पेट्रोल चलेगी गाड़ी!



डिज़ाइन किया गया है। यह बदलाव उन वाहन निर्माताओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है जो इथेनॉल के मिश्रण पर चलने वाले वाहनों को पेश करने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि सरकार ने अब आधिकारिक तौर पर ई100

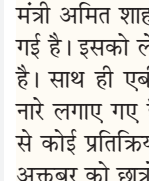
मेगा रैली में देशभर से 10 लाख मतदाताओं को जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने सोमवार को बताया कि कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली अपनी मेगा रैली के लिए देशभर से 10 लाख नागरिकों और मतदाताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा है। यह रैली कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में आयोजित की जा रही है। शिमला के एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, लांबा ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, उनके खिलाफ कार्रवाई और उनके फैसलों को रद्द करने की मांग की। उन्होंने स्टूक प्रक्रिया को रोकने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जगह फिर से बैलेट पेपर का इस्तेमाल शुरू करने की भी मांग की। लांबा ने आरोप लगाया कि करोड़ों नागरिकों के वोट देने के अधिकार खतरे में हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।



जामिया में पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ लगे नारे

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में विवादित पोस्टर लगाने के बाद अब आपत्तिजनक नारेबाजी करने का मामला सामने आया है। जामिया परिसर के गुलिस्तान गालिब लॉन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी की गई है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल है। साथ ही एबीवीपी और आरएसएस के खिलाफ भी नारे लगाए गए हैं। नारेबाजी को लेकर जामिया प्रशासन से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। वहीं इससे पहले 23 अक्टूबर को छात्रों के आंदोलन के बीच कैपस की दीवारों पर विवादित नारे लिखने का मामला सामने आया था। दीवारों पर फ्री कश्मीर, फ्री शरजील इमाम, फ्री फिलिस्तीन, वीसी गो बैक जैसे नारे लिखे गए थे। जिससे इनके फैसलों को रद्द करने की मांग की। उन्होंने स्टूक प्रक्रिया को रोकने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जगह फिर से बैलेट पेपर का इस्तेमाल शुरू करने की भी मांग की। लांबा ने आरोप लगाया कि करोड़ों नागरिकों के वोट देने के अधिकार खतरे में हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।



सरकार ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स (केंद्रीय मोटर वाहन नियम) में संशोधन को अधिसूचित करके, ई100 ईंधन (जिसमें लगभग 100 प्रतिशत इथेनॉल होता है) पर चलने वाले वाहनों के लिए आधिकारिक तौर पर रास्ता साफ कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों को बढ़ावा देना, आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना और उत्सर्जन (एमिशन) को घटाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 23 अक्टूबर को 1989 के नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया। इसके तहत, वाहनों के उत्सर्जन मानकों, ईंधन की विशेषताओं और परीक्षण प्रक्रियाओं से जुड़े नियमों में ४85 के साथ-साथ ई100 को भी शामिल कर लिया गया है। संशोधित नियमों के तहत, वाहन निर्माता ऐसी गाड़ियाँ

विकसित और पेश कर सकेंगे जिन्हें उच्च इथेनॉल मिश्रण पर चलने के लिए डिज़ाइन किया गया हो। हालाँकि, ई 85 और ई100 ईंधन का इस्तेमाल केवल उन्हीं वाहनों में किया जा सकता है, जिन्हें विशेष रूप से इनके लिए डिज़ाइन और प्रमाणित किया गया हो। सामान्य पेट्रोल कारों—जिनमें ई 20 ईंधन पर चलने के लिए डिज़ाइन की गई कारें भी शामिल हैं—में इन उच्च इथेनॉल मिश्रणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।

यह संशोधन नियामक ढांचे का विस्तार करता है ताकि ऐसे वाहनों को शामिल किया जा सके जो इथेनॉल के उच्च मिश्रण पर चल सकते हैं। ऐसे वाहनों को फ्लेक्स-फ्यूल वाहन कहा जाता है, क्योंकि इन्हें इथेनॉल और पेट्रोल के अलग-अलग अनुपात पर चलने के लिए



डिज़ाइन किया गया है। यह बदलाव उन वाहन निर्माताओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है जो इथेनॉल के मिश्रण पर चलने वाले वाहनों को पेश करने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि सरकार ने अब आधिकारिक तौर पर ई100

को संबंधित मोटर वाहन नियमों में शामिल कर लिया है।

संशोधित नियमों के तहत, मौजूदा पेट्रोल कारों में ४85 या ५100 का इस्तेमाल तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक कि उन्हें खास तौर पर इन ईंधनों के लिए डिज़ाइन और प्रमाणित न किया गया हो। सड़क परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन ईंधनों में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 100 प्रतिशत तक इथेनॉल होता है, उनका इस्तेमाल केवल उन्हीं वाहनों में किया जा सकता है जिन्हें इनके लिए डिज़ाइन और प्रमाणित किया गया है। इसलिए, इस संशोधन के तहत सभी पेट्रोल कारों में ई 100 के इस्तेमाल की अनुमति देने के बजाय, केवल इसके अनुकूल वाहनों

में ही इसके इस्तेमाल का प्रावधान किया गया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के कई प्रावधानों में संशोधन किया है, ताकि मौजूदा नियामक ढांचे में ई-100 ईंधन को आधिकारिक तौर पर शामिल किया जा सके। इन बदलावों में ईंधन की विशेषताएं, उत्सर्जन से जुड़ी तालिकाएं और वाहनों की टेस्टिंग से जुड़ी जरूरतें शामिल हैं। इन संशोधनों के तहत, कई प्रावधानों में ई 85 के साथ-साथ ई-100 को भी शामिल किया गया है। एक स्पष्टीकरण नोट में यह भी बताया गया है कि इन दोनों ईंधनों का इस्तेमाल केवल उन्हीं फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में किया जा सकता है, जिन्हें खास तौर पर मूल उपकरण निर्माताओं द्वारा डिज़ाइन किया गया हो।

कच्चे मकान की परेशानियों से मिली मुक्ति

जयानंदन दास के पक्के घर का सपना हुआ साकार

अम्बिकापुर। कभी मिट्टी के कच्चे मकान में बरसात की बूंदों से बचने की चिंता, तो कभी सीलन, छत टपकने और मकान के क्षतिग्रस्त होने का डर। हर बारिश अपने साथ नई परेशानियाँ लेकर आती थी। लेकिन अब ये परेशानियाँ बीते दिनों की बात हो गई हैं।

सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटया निवासी जयानंदन दास की, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने एक सुखद बदलाव लाया है। वर्षों से पक्के मकान का सपना संजोए



जयानंदन दास आज अपने पक्के आवास में सुरक्षित और सुकून भरा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए जयानंदन दास बताते हैं कि पहले उनका मकान मिट्टी का बना हुआ था। बरसात के दिनों में पानी और सीलन से काफी परेशानी होती थी। घर में चूहों का डर बना रहता था और कच्चे मकान के

क्षतिग्रस्त होने की चिंता भी सताती थी।

बारिश के मौसम में घर को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती थी। कभी मकान की टूट-फूट तो कभी मरम्मत की जरूरत से परिवार परेशान रहता था। जयानंदन दास बताते हैं कि कच्चे मकान में रहने के दौरान उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। पक्के घर

की चाहत तो थी, लेकिन अब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनकी इस चाहत को हकीकत में बदल दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जयानंदन दास को पक्का आवास मिला, जिसका निर्माण उन्होंने पूरा कर लिया है। आज उनका परिवार पक्की छत के नीचे सुरक्षित महसूस कर रहा है। बरसात के दिनों में पानी और सीलन की परेशानी से राहत मिली है। अब उन्हें पहले की तरह बार-बार मकान की मरम्मत करना की चिंता नहीं सताती। जयानंदन दास के लिए यह पक्का मकान केवल चारदीवारी और छत नहीं, बल्कि वर्षों की परेशानियों से मिली राहत और सुरक्षित भविष्य का आधार

है। अपने घर को देखकर उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलकती है। अपने पक्के आवास को लेकर खुशी जाहिर करते हुए जयानंदन दास स्थानीय बोली में कहते हैं, 'पहिली मिट्टी के घर रहिस सर, बहुत समस्या रहिस। बरखा पानी म परेशानी होवत रहिस, चूहे घर मन घलो दिक्त रहिस। अब पक्का घर बन गे हे, पानी ले बचत हन, अब मरम्मत के चिंता नइ हे। प्रधानमंत्री आवास योजना ले मोला आवास मिलिस हे, एकर बर विष्णु भईया ला बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से गांव के अन्य पात्र परिवारों के भी पक्के मकान बन रहे हैं।

पार्षद और क्लिनिक संचालक की हत्या का हुआ खुलासा

■ उधार से मुक्ति पाने शराब में सुहगा मिलाकर



जांजगीर चांपा। पामगढ़ में शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत के मामले में जांजगीर चांपा पुलिस ने अहम खुलासा किया है। मामले में जहरीली शराब नहीं होने की पुष्टि हुई है। साथ ही पुलिस ने 10 लाख रुपये के उधार से छुटकारा पाने के लिए शराब में सुहागा मिलाकर देने का खुलासा किया। जांजगीर चांपा एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी घटना के बारे में बताया। सिम्स चौकी से सूचना मिली कि पामगढ़ से शराब पीने से तबीयत खराब होने पर दो लोग इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराए गए थे। दोनों की ही मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलने पर पामगढ़ पुलिस ने तत्काल मुतकों के साथ शराब पीने वाले अन्य साथियों की तलाश शुरू की। पता चला कि मुतक क्लिनिक संचालक जोहितराम खरे, मुतक पार्षद रामखिलावन जांगड़े के साथ राजा उर्फ कमल खरे और मुकेश कश्यप ने मिलकर शराब पी थी। मुकेश कश्यप और राजा खरे ने साजिश का खुलासा किया। पुलिस पूछताछ में राजा खरे ने बताया कि उसने क्लिनिक संचालक जोहितराम खरे से 10 लाख रुपए लेकर ट्रेंडिंग में लगाया।

और सांस लेने में दिक्रत होने की जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर ने उसे तत्काल बिलासपुर सिम्स अस्पताल रेफर किया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद राजा खरे का स्वास्थ्य ठीक होना बताया। इधर जोहितराम के परिजनों से चर्चा के दौरान बेटी ने बताया कि उसके पिता जोहितराम ने अस्पताल में भर्ती होने से पहले फोन कर उसे बताया कि राजा और मुकेश ने शराब दी थी, जिसे रामखिलावन के साथ मिलकर उसने पी है। जिसके बाद सांस लेने में तकलीफ हो रही है। जोहितराम ने शराब में जहर मिलाने की आशंका जताई। बेटी के इस बयान के बाद पुलिस का शक राजा और मुकेश पर ही केंद्रित था। पुलिस का शक गहराया और राजा खरे से देर रात तक पूछताछ की, जिसमे राजा ने साजिश का खुलासा किया। पुलिस पूछताछ में राजा खरे ने बताया कि उसने क्लिनिक संचालक जोहितराम खरे से 10 लाख रुपए लेकर ट्रेंडिंग में लगाया।

बिलासपुर में अनोखा प्रदर्शन: सड़क पर उल्टे चले लोग

■ हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति को मिला जन समर्थन

बिलासपुर। बिलासपुर में हवाई सेवा को लेकर अनोखा प्रदर्शन हुआ है। सुविधाओं में कटौती के विरोध में हवाई यात्री और शहरवासी उल्टा मार्च कर विरोध प्रदर्शन किया है। धरना स्थल से कलेक्टरेट तक मार्च निकाला गया। बीते 7 साल से इनकी लगातार धरना जारी है। न्यायधानी बिलासपुर में सर्वसुविधायुक्त एयरपोर्ट निर्माण और महानगरों तक सीधे हवाई



उड़ान की मांग को लेकर हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति सोमवार को उल्टा रैली निकाली है। आंदोलन के सात साल पूरे होने पर इस कार्यक्रम में अलग-अलग सामाजिक, व्यापारिक, राजनीतिक और छात्र संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए इनकी रैली राघवेंद्र राव सभा भवन से

कलेक्ट्रेट कार्यालय तक उल्टे रैली के रूप में निकालकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से मार्च 2021 में व्यावसायिक उड़ानें शुरू हुई थीं। हालांकि, रनवे की लंबाई लगभग 1500 मीटर होने के कारण छोटे विमानों का ही संचालन हो पा रहा है। बोइंग और जैसे विमान नही उतर पा रहें।

बलरामपुर में टमाटर से भरा पिकअप वाहन पलटा

लूटने के लिए मची होड़, लोग थैले लेकर मौके पर पहुंचे

बलरामपुर। जिला मुख्यालय में सोमवार को टमाटर से भरा हुआ पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर हुए हादसे के बाद लोगों में टमाटर लूटने की होड़ मच गई। कई लोग पलटे हुए पिकअप के पास से टमाटर उठाते दिखे। दरअसल बलरामपुर के भनौरा में एनएच 343 पर एक घर के सामने ही तेज रफ्तार पिकअप वाहन पलट गया था। इसके बाद झड़वर वाहन के अंदर से निकल कर वहां से फरार हो गया। लावारिस हालत में वाहन में लोड और कुछ गिरे हुए टमाटर से भरे क्रेट देख लोग दौड़ पड़े। सड़क के आसपास रहने वाले लोग झोले और थैली में टमाटर भरने लगे। टमाटर उठाने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। झोले और बोरी में टमाटर भरकर कई लोग निकलने भी लगे। इस बीच घटना की सूचना मिलने के बाद यातायात पुलिस और हाइवे पैट्रोलिंग टीम मौके पर



पहुंची। लोगों की भीड़ को वहां से हटाते हुए दुर्घटना ग्रस्त वाहन को सड़क से किनारे हटवा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक पिकअप वाहन छ्ठ ०1 त्ब 1883 में टमाटर लोड कर अंबिकापुर से बलरामपुर के रास्ते होते हुए झारखंड की तरफ जा रहा था। इसी दौरान झड़वर के दुलदुला तहसील क्षेत्र में झारखंड से धान ला रहे दो पिकअप वाहनों को जब्त किया गया है। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत तहसीलदार दुलदुला राहुल कौशिक और खाद्य निरीक्षक श्री संदीप गुप्ता ने 24 अक्टूबर की रात कार्रवाई की। दोनों पिकअप में झारखंड के कुरुडेंग से धान लोड कर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर चराईमारा ले जाया जा रहा था। जांच के दौरान धान परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले। प्रशासनिक टीम ने दोनों पिकअप वाहनों और उनमें लदे धान को जब्त कर थाना दुलदुला के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई और प्रकरण तैयार करने के लिए मंडी निरीक्षक को भी सूचित किया गया है। दुलदुला तहसील झारखंड की सीमा से लगी है।

चेंकिंग के दौरान पिकअप से 4 करोड़ रुपए बरामद, गाड़ी के पीछे हिस्से में बनाए गए सीक्रेट चेंबर में रखी गयी थी रकम

दुर्ग। दुर्ग जिले के खुर्सीपार थाना क्षेत्र में वाहन चेंकिंग के दौरान पुलिस टीम ने 4 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम बरामद की है। रकम पिकअप के पीछे हिस्से को मोडिफाई कर बनाए गए स्पेशल चेंबर में रखी गई थी।

जानकारी के अनुसार, एक बोलेरो मैक्स पिकअप रायपुर से नागपुर की ओर जा रहा था। 25 अक्टूबर को रात 11 बजे डबरापारा, खुर्सीपार थाना के पास चेंकिंग के दौरान गाड़ी को रोका गया। गाड़ी में सवार दो व्यक्तियों ने अपना नाम भवेशभाई जीनाभाई डाभी (चालक) विष्णुदेव दुवे बताया।

पुलिस की सघन तलाशी लेने



पर वाहन के मॉडिफाई किए गए पिछले हिस्से में एक सीक्रेट चेंबर बना मिला। चेंबर को खोलने पर उसमें छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में भारतीय मुद्रा बरामद की गई, जिसकी गिनती करने पर चार करोड़ रुपये हुए। दोनों व्यक्तियों

से रकम के स्रोत, स्वामित्व तथा परिवहन के उद्देश्य में पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में बरामद रकम के वित्तीय स्रोत और अन्य संबंधित तथ्यों की गहन जांच के लिए आयकर विभाग को पुलिस विभाग द्वारा सूचना भेजी गई है।

बिलासपुर रायपुर नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से भिड़ी यात्री बस

बलौदाबाजार। बिलासपुर रायपुर नेशनल हाईवे पर सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। बलौदाबाजार जिले के ग्राम दरचुरा के पहले इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब 5:30 बजे अंबिकापुर से रायपुर जा रही रॉयल कंपनी की यात्री बस सड़क पर खराब होकर खड़े ट्रक से टकरा गई।

हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में झड़वर, हेल्टपर और एक यात्री है। 16 घायल है। यात्री बस क्रमांक

सीजी 04 एनएम 0859 में कुल 22 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस ने सड़क पर खड़े ट्रक क्रमांक सीजी-07-बीएल-4370 को पीछे से टक्कर मारी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। तीन लोगों की मौत हो गई। 16 यात्री घायल है। ट्रक खराब होने के कारण सड़क पर खड़ा था। उसके पास सुरक्षा के लिए स्टॉपर भी लगाए गए थे।

बलरामपुर में करमा तिहार पर प्रकृति पूजा

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के जामवंतपुर करमाटांड में जनजाति समाज ने परंपरागत रूप से करमा तिहार का आयोजन किया गया। जहां आदिवासी जनजाति समाज ने करम पेड़ और प्रकृति पूजा की इस दौरान समाज के लोगों ने जनजाति वेशभूषा ने मोर पंख के साथ मांदर की थाप पर पारंपरिक गीत गाते हुए उत्साह के साथ नृत्य किया। इस बारे में राजीपाट्टा सरना प्राथना सभा के कार्यकारी अध्यक्ष शंकर दयाल भगत ने कहा कि करमा परब हमारे जनजाति समाज में भाई और बहन का त्यौहार है करम पेड़ ने ही हम जनजातियों की सुरक्षा की थी, इसलिए हम अभी कुंवरा के महीने में यहां जामवंतपुर करमाटांड में एकत्रित होकर करमा परब मना रहे हैं। करम परब में भाई बहन उपवास करते हैं। करम कहानी सुनाया जाता है। यहां करम नृत्य हो रहा है। करम गीत गाया जा रहा है। हमारे भाई बहन यहां उत्साह के साथ नृत्य कर रहे हैं। करम पूजा के लिए हम जौ उगाते हैं और करम फूल के साथ परंपरागत



रूप से पूजा करते हैं इस आयोजन के संबंध में स्थानीय युवक लरंगसाय कुजूर ने बताया कि हम लोग करमा तिहार में एकत्रित होकर प्रकृति की पूजा करते हैं। साल वृक्ष के नीचे हम अपनी देवी की पूजा करते हैं। तीन प्रकार के देवी देवता की पूजा करते हैं हमारी पूजा पूरी तरह से प्रकृति पर आधारित है।

करमा तिहार में बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ कुसमी चांदी वाड़फुनगर के साथ ही जशपुर और अंबिकापुर से भी बड़ी संख्या में में जनजाति समाज के लोग शामिल हुए उन्होंने इस पूरे आयोजन की सराहना की।

छत्तीसगढ़	प्रमुख समाचार	आरक्षक छलांग मामला 72 घंटे बाद मिला शव	दूसरे पति ने चरित्र शंका पर दी पत्नि की कट दी पिटाई	अवैध धान परिवहन करते दो पिकअप पकड़ाया	संभावित चक्रवात अर्नब का खतरा- छग में हाई अलर्ट जारी	माधुरी इस दिवाली अपने हाथों से बना रही मिट्टी के दीये
		कोरबा। मोरगा चौकी अंतर्गत केदई के पास पुल से आरक्षक सुनील बेक ने हसदेव नदी में छलांग लगाई थी। घटना के करीब 72 घंटे बाद यानी सोमवार को उसका शव बरामद कर लिया गया है। मुतक सुनील सरगुजा जिले में थाना प्रेमनगर अंतर्गत तारापुर चौकी में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। पुलिस आत्मघाती कदम उठाने के पीछे क्या कारण थे, उसकी जांच में जुटी हुई है। 23 अक्टूबर को आरक्षक की बाइक क्रमांक सीजी 14 एमएक्स 1898 पुल पर खड़ी मिली। बाइक के पास ही उसका मोबाइल, पर्स, पुलिस आईडी कार्ड और आधार कार्ड भी बरमाद हुआ। घटनास्थल पर मिले सामान के आधार पर आरक्षक के नदी में छलांग लगाने की आशंका जताई गई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम पुलिस स्टाफ ने बाइक और दस्तावेज बरामद किए, जिसके आधार पर नदी में छलांग लगाने की आशंका हुई। दस्तावेजों से बाइक आरक्षक की होना मालूम पड़ा। इसके बाद आरक्षक की तलाश के लिए एसडीआरएफ के गोताखोरों की टीम को बुलाया गया है।	सूरजपुर। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, महिला के दूसरे पति ने घुमाने के बहाने जंगल लेजाकर चरित्र के चलते उसके साथ मारपीट की और उसे अधमरे हालत में छोड़कर भाग गया। महिला के सिर पर गंभीर चोट आई है, जबकि उसकी एक अंगुली भी कट गई है। फिलहाल महिला का जिला चिकित्सालय सूरजपुर में इलाज जारी है। यह पूरा मामला झिलमिली थाना क्षेत्र के बड़सरा जंगल का है। जानकारी के मुताबिक, कोरिया जिले के झलियाडांड निवासी महिला करीब 6 महीने पहले बैकुंठपुर निवासी राकेश साहू के साथ मंदिर में शादी करने के बाद रहने लगी थी। इस दौरान दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। आरोप है कि बीते दिनों राकेश महिला को घुमाने के बहाने बड़सरा जंगल ले गया, जहां उसके चरित्र पर संदेह जाता हुए मारपीट की और उसे मृत समझकर जंगल में छोड़कर फरार हो गया। बाद में स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान पहुंचाया गया।	जशपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और दूसरे राज्यों से अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला तहसील क्षेत्र में झारखंड से धान ला रहे दो पिकअप वाहनों को जब्त किया गया है। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत तहसीलदार दुलदुला राहुल कौशिक और खाद्य निरीक्षक श्री संदीप गुप्ता ने 24 अक्टूबर की रात कार्रवाई की। दोनों पिकअप में झारखंड के कुरुडेंग से धान लोड कर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर चराईमारा ले जाया जा रहा था। जांच के दौरान धान परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले। प्रशासनिक टीम ने दोनों पिकअप वाहनों और उनमें लदे धान को जब्त कर थाना दुलदुला के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई और प्रकरण तैयार करने के लिए मंडी निरीक्षक को भी सूचित किया गया है। दुलदुला तहसील झारखंड की सीमा से लगी है।	अम्बिकापुर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ का प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य में पड़ने की संभावनाओं के मद्देनजर शासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसे लेकर मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। इसमें राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चक्रवात के मद्देनजर 27 से 29 अक्टूबर तक आवश्यक की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य जोर शून्य जनहानि सुनिश्चित करने पर रहा। इसके तहत विशेष रूप से दक्षिण बस्तर क्षेत्र के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों में अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां तेज हवाएं चलने की संभावना है। राहत शिविरों को 24 घंटे संचालित रखने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव को चिकित्सा सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं।	माल्पुरी इस दिवाली अपने हाथों से बना रही मिट्टी के दीये बलौदाबाजार। बलौदाबाजार नगर के वार्ड क्रमांक 18 निवासी माधुरी पांडे पति हरिकिशन पांडे के जीवन में भी कुछ ऐसी ही खुशियां आई हैं। मिट्टी को आकार देकर दीये और पारंपरिक वस्तुएं बनाने वाली माधुरी आज अपने हुनर के साथ परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटा रही हैं। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता ने उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहारा दिया है और त्यौहारों की खुशियों को और खास बनाया है। माधुरी पांडे विवाह के बाद से ही अपने पति के साथ कुन्हारी के पारंपरिक कार्य में सहयोग करती आ रही हैं। मिट्टी को गढ़कर उपयोगी वस्तुएं बनाना उनके परिवार की आजीविका का हिस्सा है। पहले उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए पति पर निर्भर रहना पड़ता था। मन में अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करने की इच्छा तो थी, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण ऐसा कर पाना हमेशा आसान नहीं था।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में 3500 पेड़ों को मिलेगी नई जिंदगी

धमतरी। जंगल में पेड़ों को काटना ही नुकसान नहीं है, बल्कि उनके तनों की छाल को चारों ओर से काटने से भी हरा भरा खड़ा पेड़ सूख सकता है। करका वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ों के साथ ऐसा ही हुआ है। अब इन क्षतिग्रस्त वृक्षों को बचाने के लिए उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत करीब 3500 पेड़ों का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया जा रहा है। इस पद्धति को ब्रिज ग्राफ्टिंग कहा जाता है। क्षतिग्रस्त वृक्षों के उपचार में ‘ब्रिज ग्राफ्टिंग’ जैसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस प्रक्रिया में तने के प्रभावित हिस्से के ऊपर जीवित ऊतकों के बीच दोबारा संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, जिससे पोषक तत्वों का परिवहन बहाल करने में मदद मिल सकती है। इसके



अलावा ट्री बैंडेजिंग, घावों की देखभाल, जड़ों को मजबूत करने के उपाय और विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार अन्य उपचार तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उपचार का तरीका प्रत्येक वृक्ष की स्थिति के मुताबिक तय किया जाएगा। इससे जहां संभव हो, वहां पेड़ों को प्राकृतिक रूप से दोबारा स्वस्थ होने का अवसर मिल सके। इस काम में देशभर में वृक्ष संरक्षण के लिए पहचाने जाने वाले विशेषज्ञ बैंगलुरु के रहने वाले विजय निशांत भी जुटे हैं, जिन्हें ‘ट्री डॉक्टर’ के नाम से जाना जाता है। वन विभाग और विशेषज्ञों की टीम ने चहिल 3500 पेड़ों

को उनकी स्थिति और जीवित रहने की संभावना के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर उपचार की योजना बनाई है। जिन वृक्षों को तत्काल उपचार की जरूरत है, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त पेड़ों के लिए विशेष तकनीकों और नियमित निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ वृक्षों के बचने की संभावना अपेक्षाकृत बेहतर है, जबकि कुछ को लंबे समय तक उपचार और देखभाल की जरूरत होगी। पूरी तरह मृत और दोबारा जीवित नहीं हो सकने वाले वृक्षों के मामले में भी विशेषज्ञों की जांच के बाद ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस पूरी प्रक्रिया में पेड़ों की प्रजाति, उम्र, तने की मोटाई, क्षति की गंभीरता और गर्डलिंग के बाद बीते समय को ध्यान में रखा जा रहा है। प्रत्येक पेड़ को क्रमांक

देकर उसका रिकॉर्ड तैयार किया गया है, ताकि उपचार के बाद उसकी स्थिति में होने वाले बदलावों पर नजर रखी जा सके। करका क्षेत्र में कई वृक्षों की छाल को तने के चारों ओर से काट दिया गया है। वनस्पति विज्ञान में इस प्रक्रिया को ‘गर्डलिंग’ कहा जाता है। इससे पेड़ के तने में भोजन और पोषक तत्वों के परिवहन की व्यवस्था प्रभावित होती है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर ऐसे वृक्ष धीरे-धीरे सूख सकते हैं। क्षतिग्रस्त वृक्षों को बचाने के लिए विजय निशांत प्रोजेक्ट वृक्ष फाउंडेशन की ओर से विशेषज्ञता प्रदान कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में वनकर्मी पेड़ों की स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं और जरूरत के मुताबिक उपचार कर रहे हैं। करका वन क्षेत्र में हुए नुकसान की तस्वीरें ड्रोन सर्वेक्षण और उपग्रह चित्रों के तुलनात्मक अध्ययन से सामने आई हैं।

चार प्रशिक्षु एसआई को मिला दो माह के लिए थानों का स्वतंत्र प्रभार

गरियाबंद। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 26 अक्टूबर को जारी दो अलग-अलग आदेशों के तहत थाना प्रभारियों, उपनिरीक्षकों और प्रधान आरक्षकों सहित कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिनमें चार प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को दो माह के लिए विभिन्न थानों में स्वतंत्र प्रभार देकर व्यावहारिक प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के हस्ताक्षर से जारी आदेश के मुताबिक उप- निरीक्षक (प्रशिक्षु) श्रद्धा थाना प्रभारी राजिम संबद्ध लोक अभियोजन से थाना प्रभारी-पीपरछेड़ी, हेमंत कुमार साहू थाना प्रभारी फिंगेश्वर संबद्ध लोक अभियोजन से थाना प्रभारी-इंदगांव, दीप कुमार इकेश्वर थाना-छुरा संबद्ध लोक अभियोजन से थाना प्रभारी पायलीखण्ड (जुगाड़) तथा मुकेश कुमार बंजारे थाना पाण्डुका संबद्ध लोक अभियोजन थाना प्रभारी-शोभा की जिम्मेदारी सौंपी

गई है। सभी को दो माह के लिए स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। यह आदेश पुलिस मुख्यालय रायपुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंद्रखुरी के निर्देशों के अनुपालन में जारी आदेश क्रमांक 5051 के तहत सौंपा गया है। निरीक्षक ओमप्रकाश यादव थाना प्रभारी पायलीखण्ड (जुगाड़) से रक्षित केन्द्र संबद्ध प्रभारी नक्सल सेल, निरीक्षक पवन वर्मा थाना प्रभारी शोभा से रक्षित केन्द्र संबद्ध प्रभारी शिकायत शाखा/जिला विशेष शाखा, उप-निरीक्षक दिलीप मेश्राम थाना प्रभारी इंदगांव से थाना-देवभोग, उप-निरीक्षक जितेन्द्र कुमार विजयवार थाना प्रभारी पीपरछेड़ी से रक्षित केन्द्र गरियाबंद, प्रआर-372 नारायण सिंह राजपूत थाना-पीपरछेड़ी से रक्षित केन्द्र गरियाबंद तथा प्रआर-263 दुलेश्वर बघेल थाना-मैनपुर संबद्ध कैम्प दर्रापारा से चौकी-बिन्द्रानवागढ़ बनाए गए है।

काश! न्याय यात्रा में एकजुट हो पाते कांग्रेसी!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

मेरा सीधा सवाल उत्तराखंड में कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा से है कि पार्टी का प्रभार संभालने के बाद वे जमीनी कार्यकर्ताओं से कितना मिल पाईं और उन्हें फिर से पार्टी की मुख्य धारा में लाकर उनका उपयोग पार्टी के लिए कर पाई?मुझे तो लगता है कि कांग्रेस में आक्सीजन देने का जो काम कर रहे है ,उनमे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा कोई चाँधी नहीं है।जितना संघर्ष राहुल ,प्रियंका व खड़गे कर रहे है उतना ही केंद्र व प्रदेशो में पद लिए बैठे नेतागण भी करते तो कब की कांग्रेस सत्ता में लौट गई होती।लेकिन इन दूसरी व तीसरी पंक्ति के नेताओं को पार्टी फि्क के बजाए एक दूसरे की टांग खींचकर कांग्रेस की जड़ों में खुद ही मछुा देने की होड़ सी मची है। जबकि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की आहट शुरू हो चुकी है और सियासी पारा भी चढ़ने लगा है।कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर कांग्रेस ने प्रदेशभर में उत्तराखंड न्याय यात्रा के द्वारा उत्तराखंड की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, लेकिन विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में न्याय यात्रा शुरू होने से पहले ही कांग्रेस के भीतर टिकट की जंग, गुटबाजी और शक्ति प्रदर्शन का ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है, जिसने पार्टी की अंदरूनी खींचतान को सड़को पर ला दिया है।जिस कारण एक बार फिर कांग्रेस के चुनावी समीकरण बनने से पहले ही बिगड़ने की अटकलें शुरू हो गई है।उदाहरण के लिए सहसपुर में कांग्रेस को उत्तराखंड न्याय यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह, हरक सिंह रावत और सहसपुर विधानसभा से दावेदारी कर रहे आर्येन्द्र शर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे थे,जिससे यात्रा शुरू होने से पहले ही सियासी माहौल उस वक्त गरमा गया था, लेकिन हरक सिंह रावत के पहुंचते ही आर्येन्द्र शर्मा के समर्थकों ने अपने नेता के पक्ष में जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी।एक तरफ आर्येन्द्र शर्मा के समर्थक अपनी ताकत दिखाने में जुटे थे, तो दूसरी तरफ सहसपुर सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हरक सिंह रावत की मौजूदगी ने सियासी मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। चुनावी टिकट की दावेदारी के बीच कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी खुलकर दिखाई देने लगी है। जिस पर हालात को संभालने के लिए वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह को हस्तक्षेप करना पड़ा। उनके समझाने के बाद ही दोनों खेमों के समर्थक शांत हो पाए।इसके बाद हरक सिंह रावत ने मंच से सरकार पर हल्ला बोला, इस दौरान वोद चोरी से लेकर अंकिता भंडारी केस तक कई मुद्दे उठे, लेकिन सियासी घटनाक्रम यहीं नहीं थमा,मंच पर हुई खेमेबाजी से गुस्साए हरक सिंह रावत ने हरिद्वार दौरे का हवाला देते हुए यात्रा आगे बढ़ने से पहले ही कार्यक्रम से दूरी बना ली। जिसके बाद प्रीतम सिंह की अनुवाई में आर्येन्द्र शर्मा और उनके समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए न्याय यात्रा को आगे बढ़ाया,लेकिन तब तक हरक समर्थक यात्रा बीच में ही छोड़कर जा चुके थे। जिस यात्रा के जरिए कांग्रेस को सरकार के खिलाफ एकजुटता का संदेश देना था, उसी यात्रा के आगाज में सहसपुर की सियासत में टिकट की दावेदारी और खेमेबाजी जग जाहिर हो गई। कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह ने कहा कि यह यात्रा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ निकाली जा रही है। कांग्रेस अंकिता भंडारी हत्याकांड समेत जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार को घेरती रहेगी। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड और महिला अपराध के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरते हुए पत्रकारों पर कार्रवाई को लेकर गंभीर आरोप लगाए। वहीं हरक सिंह रावत ने विकासनगर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार पर भी सवाल उठाए।

भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय

20-सर्वास्तित्वाद (वैभाषिक)

गतांक से आगे...

रूप का (विषय का) एक क्षण, दर्शनेन्द्रिय तत्त्व (चतु) का एक क्षण और शुद्ध चेतना (विज्ञान) का एक क्षण – यह तीनों एक साथ एक जगह (आसन्न) जब प्रकट होते हैं तब रूप संवेदन (रूप का निर्विकल्पक प्रत्यक्ष) होता है। चेतना या विज्ञान कभी अकेली प्रकट नहीं होती प्रत्युत विज्ञान के क्षण के साथ, विषय क्षण एक स्थिर नियम के अनुसार प्रकट होता है।

यह स्पष्ट है कि वाह्य विषयों के प्रत्यक्ष के इस स्वरूप को बाह्यार्थ-प्रत्यक्षत्ववाद नहीं कहा जा सकता, सर्वदर्शनसंग्रहकार ने जहाँ एक ओर वैभाषिक के सिद्धान्त को बाह्यार्थप्रत्यक्षत्ववाद कहा है, वहीं दूसरी ओर वैभाषिक के प्रत्यक्ष के स्वरूप-निरूपण में धर्मकीर्ति का प्रत्यक्ष-लक्षण कल्पनापोढमभ्रान्तं प्रत्यक्षं निर्विकल्पकम् उद्धृत कर दिया है, पता नहीं, धर्मकीर्ति (या दिङ्नाग) को वैभाषिक कैसे मान

लिया? और फिर इस पर भी ध्यान नहीं दिया कि दिङ्नाग सम्प्रदाय में जिसका मानने वाला धर्मकीर्ति्त भी था।

यद्यपि स्वलक्षण रूप क्षण का निर्विकल्पक प्रत्यक्ष माना गया है पर वह तो अलौकिक तत्त्व है, और दृश्यमान बाह्य वस्तुओं का प्रत्यक्ष जिसे न्याय-वैशेषिक सविकल्पक प्रत्यक्ष मानते हैं, वह दिङ्नाग के सिद्धान्त में प्रत्यक्ष ही नहीं माना जाता ।ऐसी दशा में धर्मकीर्ति्त के दिये हुये प्रत्यक्ष के लक्षण को वैभाषिक का लक्षण मानकर तो उस मत को बाह्यार्थप्रत्यक्षत्ववाद कहना और भी बड़ी भूल है। अभिधर्मकोश के अनुसार भी, जैसा कि ऊपर दिखाया गया है, क्षणिक बाह्य विषय का केवल निर्विकल्पक प्रत्यक्ष रूप संवेदन होता है, न कि न्याय-वैशेषिक के सिद्धान्त के अनुसार द्रव्य रूप से दृश्यमान बाह्य वस्तु का साक्षात् प्रत्यक्ष।

क्रमशः...



ज्ञान/मीमांसा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज

कटिलाल मांडोत

देश के पांच राज्यों में वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव कराने की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले आयोग की टीम में संबंधित राज्यों का दौरा कर रही हैं, ताकि मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, सुरक्षा व्यवस्था और चुनाव संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया जा सके। इन चुनावों का महत्व केवल नई सरकारों के गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इनके परिणाम देश की राजनीति में विभिन्न दलों की रणनीति और जनाधार को समझने का अवसर भी प्रदान करेंगे।

निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मणिपुर पहुंचकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रही है। इससे पहले अधिकारी उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं। पंजाब में 28 अक्टूबर को तैयारियों का जायजा लेने का कार्यक्रम निर्धारित बताया गया है। गोवा में भी अधिकारियों के दौरे की योजना है, हालांकि इसकी तारीख में बदलाव की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश में आयोग की टीम कब पहुंचेगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटें होने के कारण यहां को चुनावी तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाना स्वाभाविक है। आयोग के सामने पांचों राज्यों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगी। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और पार्टी विकास, कल्याणकारी योजनाओं, कानून व्यवस्था तथा बुनियादी सुविधाओं को प्रमुख मुद्दों के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दल सरकार के कामकाज, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े सवाल उठा सकते हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस होने की संभावना है। कांग्रेस इसे मताधिकार और चुनावी पारदर्शिता से जोड़कर उठाने की तैयारी कर सकती है, जबकि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया का मूल्यांकन उसके घोषित नियमों और वास्तविक क्रियान्वयन के आधार पर किया जाना



चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता के साथ यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि किसी पात्र नागरिक का नाम अनावश्यक रूप से न हटे।

उत्तर प्रदेश में चुनावी प्रतिस्पर्धा का एक प्रमुख पक्ष सरकार के कामकाज और विपक्ष की वैकल्पिक नीतियों के बीच तुलना होगी। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषय सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। राजनीतिक दलों के लिए केवल आरोप-प्रत्यारोप पर्याप्त नहीं होंगे। जनता यह जानना चाहेगी कि पिछले कार्यकाल में घोषित योजनाओं से कितना लाभ मिला, अधूरे कार्य कब पूरे होंगे और आगामी पांच वर्षों के लिए दलों के पास क्या ठोस कार्यक्रम है। चुनावी घोषणाओं की विश्वसनीयता और उन्हें लागू करने की क्षमता भी चर्चा के केंद्र में रह सकती है।

उत्तराखंड और गोवा में भी सत्तारूढ़ भाजपा के सामने अपने कामकाज का हिसाब जनता के सामने रखने की चुनौती होगी। उत्तराखंड में पर्यटन, रोजगार, पलायन, आपदा प्रबंधन, सड़क संपर्क और स्थानीय संसाधनों से आजीविका जैसे प्रश्न महत्वपूर्ण रहेंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को उपलब्धता तथा गांवों से पलायन रोकने के प्रयासों का मूल्यांकन किया जा सकता है। गोवा में पर्यटन उद्योग, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार, यातायात, नागरिक सुविधाएं और विकास परियोजनाओं से जुड़े प्रश्न चुनावी चर्चा को प्रभावित कर सकते हैं। दोनों राज्यों में सरकार की उपलब्धियों के साथ विपक्ष के आरोपों और वैकल्पिक प्रस्तावों पर भी मतदाताओं की नजर रहेगी।

पंजाब का राजनीतिक परिदृश्य इन चार राज्यों से अलग है। यहां आम आदमी पार्टी की सरकार

अनन्या मिश्रा

इतिहास में कई ऐसी बहादुर शख्सियते हुईं, जिन्होंने मुगलों के सामने झुकने के बजाय उनका बहादुरी से सामना किया। ऐसी ही एक शख्सियत बंदा सिंह बहादुर की रही। कम उम्र में ही संत बनने वाले बंदा सिंह बहादुर एक कुशल और बहादुर योद्धा होने के साथ काबिल लीडर भी थे। आज ही के दिन यानी की 27 अक्तूबर 1670 को बंदा सिंह बहादुर का जन्म हुआ। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह से मुलाकात होने के बाद सैनिक प्रशिक्षण लिया था और बिना सेना व हथियार के करीब 2500 किमी की दूरी तय की थी। बंदा सिंह बहादुर ने डेढ़ साल के अंदर सरहिंद पर कब्जा किया और खालसा राज की नींव रखने का काम किया था।

बताया जाता है कि वह बहुत कम उम्र

में घर छोड़कर बैरागी हो गए थे। इसलिए उनको माधोदास बैरागी के नाम से जाना जाने लगा था। भ्रमण करते हुए बंदा सिंह बहादुर महाराष्ट्र पहुंचे, जहां पर उनकी मुलाकात सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह से हुई। गुरु गोबिंद सिंह ने बंदा सिंह को अपनी तपस्वी जीवनशैली को त्यागने और पंजाब के लोगों को मुगलों से छुटकारा दिलाने का काम सौंपा।

इसके बाद बंदा सिंह को एक तलवार, पांच तीर और 3 साथी दिए और एक फरमान दिया गया। इस फरमान में लिखा था कि बंदा सिंह को मुगलों के जुल्म से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिए सिखों का नेतृत्व करें। साथ ही यह भी कहा गया कि वह पंजाब कूच करें और वजीर खां को मौत की सजा दें।



वहीं साल 1709 में मुगल साम्राज्य की कमान बहादुर शाह के पास थी। वह सल्तनत का दायरा बढ़ाने के लिए दक्षिण में जंग कर रहे थे। जब बंदा सिंह पंजाब पहुंचे तो उन्होंने सतलज नदी के पहले रहने वाले सिख किसानों को एकजुट करना शुरू किया। फिर उन्होंने कैथल और सोनीपत में मुगलों के खजाने पर कब्जा कर लिया। जिन बंदा सिंह की सेना में 3 साथी थे, उनका दायरा तेजी से बढ़ा। उनकी सेना में 8 हजार सैनिक हो गए। उनकी सेना में 5 हजार घोड़े थे, जोकि बहकुर 19 हजार हो गए थे।

साल 1709 में बंदा सिंह और उनके सैनिकों ने सरहिंद के समाना पर हमला किया। इस हमले का कारण यह था कि वजीर खां वहां पर रहता था। यह वही वजीर खां था, जिसने गुरु गोबिंद सिंह का

सिर कलम किया था और उनके बेटों को मौत के घाट उतार दिया था। बंदा सिंह ने 1710 में हमला किया और दो दर्जन तोपों के साथ फतह हासिल की। आगने-सामने की लड़ाई में बंदा सिंह के भाई फतह सिंह ने सीधे वजीर खां के सिर पर हमला कर उसकी चित कर दिया।

बंदा सिंह बहादुर की इस जीत के बाद उन्होंने नई मुहर और सिक्के जारी किए। जिस पर गुरुनानक की तस्वीर थी। हालांकि 1710 में मुगल बादशाह बहादुर शाह ने बदला लेने और बंदा सिंह बहादुर को पकड़ने की तमाम रणनीति बनाई, लेकिन मुगल शासक को सफलता नहीं मिली। बता दें कि 1712 में बहादुर शाह की मौत के बाद उनके भतीजे ने सल्तनत संभाली थी। जिसके बाद बंदा सिंह को पकड़ने की जिम्मेदारी अब्दुल समद खां को सौंपी गई।

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?

सौरभ वार्षाण्य

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार है। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक जन महाभियोग की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सूचि को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से किना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी?

इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक जन महाभियोग आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में दिल्ली चलो रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का एकलाने संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना



एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी मतदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं।

इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी

विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ना है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना के केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहाँ आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है। रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अप्रत्याशित एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को केवल नारा और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है।लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा

कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी माजबूतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है। इंडिया गठबंधन की दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निर्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है।

आज का इतिहास

- 1676 पोलैंड और तुर्की ने वारसा की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1795 अमेरिका और स्पेन ने सैन लोरेंजो की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1806 फ्रांस की सेना बर्लिन में घुसी।
- 1811 सिलाई मशीन का अविष्कार करने वाले आइजक मेरिट सिंगर का जन्म। उनके इस अविष्कार से हाथ से होने वाला कपड़ों की सिलाई का काम आसान हो गया।
- 1920 देश के 10वें और पहले दलित राष्ट्रपति के. आर. नारायण का जन्म हुआ था।
- 1947 जम्मू कश्मीर के राजा हरि सिंह ने भारत में जम्मू कश्मीर के विलय को स्वीकार कर लिया।
- 1959 पश्चिमी मेक्सिको में चक्रवाती तूफान से कम से कम 2000 लोग मरे।
- 1968 मेक्सिको सिटी में 19वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
- 1978 मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाचेम को शांति का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।
- 1995 यूक्रेन में क्रीव स्थित चेन्नोबिल परमाणु संयंत्र सुरक्षा संबंधी खामियों के कारण पूर्णतः बन्द किया गया।
- 1997 एडिनबर्ग (स्काटलैंड) में राक्षलु शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
- 2003 चीन में भूकम्प से 50,000 से अधिक लोग प्रभावित, बगदाद में बम धमाकों से 40 लोगों की मृत्यु।
- 2004 चीन ने विशालकाय क्रेन का निर्माण किया। फ्रांस के विदेश मंत्री माइकल वार्नियर दो दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे।
- 2004 अमेरिका में बोस्टन की पेशेवर बेसबॉल टीम द बोस्टन रेड सॉक्स ने 86 बरस में पहली बार विश्व श्रृंखला जीती।
- 2008 केन्द्र सरकार ने अखबार उद्योग के पत्रकारों और गैर पत्रकारों को अंतरिम राहत की अधिसूचना जारी की।
- 2017 कातालूनिया की संसद ने स्पेन से आजादी संबंधी प्रस्ताव को मंजूर किया और सरकार को बर्खास्त करके नये चुनाव कराने के फेसले पर मोहर लगाई।
- 2021 उच्चतम न्यायालय ने पेगासस जासूसी मामले में जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई।
- 2021 भारत ने 5,000 किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- 2021 चीन ने ठोस ईंधन से चलने वाले सस्ते एवं छोटे रॉकेट कुआझोउ-1 ए से एक ऑप्टिकल सुदूर संवेदी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया।
- 2021 वाशिंगटन ने सार्वजनिक क्षेत्र की चीनी दूरसंचार कंपनी चाइना टेलीकॉम लिमिटेड को अमेरिकी बाजार से निष्कासित किया।

कष्ट में ही होते हैं प्रभु के दर्शन

भक्तों को सदैव कष्ट में ही प्रभु के दर्शन हुए है। अतः सच्चा भक्त भगवान से दुःख ही दुःख मांगता है। संकट का समय भक्त की परीक्षा काल होता है। नृसिंह भगवान के दर्शन प्रह्लाद को दुःख ही हुए थे। ध्रुव यदि अपनी सौतेली माँ से अपमानित न होते तो उन्हें प्रभु-प्राप्ति कैसे होती। अहिल्या पाषाण-मूर्ति होकर ही प्रभु-स्पर्श की अधिकारिणी बनकर प्रभु को प्राप्त कर सकी। प्रभु अपने प्रिय भक्तों के संकट देख नहीं सकते। उन्हें भक्त की आर्त पुकार सुनकर नंगे पैर दौड़कर आना ही पड़ता है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहा है। कि सगुणोपासक भक्तों की भगवान नन्हें शिशु की तरह रक्षा करते हैं। अतः ज्ञान पाकर भी पंडित भक्ति नहीं छोड़ते। भक्ति मार्ग में सबसे सरल, सुगम, साधन प्रभु का नाम-स्मरण बताया गया है। पूर्ण स्वेण प्रभु के अधीन हो उनके नाम स्मरण से जीव को शाखत सुख की प्राप्ति होती है। कलियुग में भवसागर पार करने का एक मात्र सुगम साधन यही है। गोरवामी तुलसी दास जी ने श्री राम चरित मानस में प्रभु के नाम-स्मरण की महिमा का स्थान-स्थान पर वर्णन किया है। भगवान नाम-साधना एवं भगवान नाम स्मरण से प्राणी में अलौकिक दिव्य प्रकाश का उदय होता है। जिसकी जिव्हा के अग्रभाग में हरि' ये दो अक्षर विराजमान रहते हैं वह विष्णुलोक को प्राप्त करता है। ऐसे मनुष्य का पुनः जन्म नहीं होता। साधक जो फल तपस्या, योगाभ्यास और समाधि द्वारा भी प्राप्त नहीं कर पाता वह फल केवल हरिनाम- कीर्तन के अत्यन्त सरल उपाय से तत्काल प्राप्त कर लेता है। कलियुग में तो हरिनाम कीर्तन की ही विशेष महिमा है।



भगवन्मय है सारा संसार



अज्ञान जनित योगलोलुपता के अहंकार ने हमारे ज्ञान को ढक लिया है और चारो ओर से इस अंधकार को और भी धन करने की भरसक कोशिश हो रही है। इस अंधकार की घनता को ही ज्ञान का प्रकाश कहा जाता है। मनुष्य की वृद्धि आज उल्टू और चमगादड़ की दृष्टि जैसी हो गई है। जैसे इन पक्षियों को दिन में अंधेरा और रात को प्रकाश नजर आता है, वैसे ही हमें आज अंधकार में ही प्रकाश का भ्रम हो रहा है। इसी से हम ' कामोपयोगपरायण होकर सैकड़ों आशा की फासियों में बंधे हुए काम-क्रोधादि साधनों से “कामयोगार्थ” अन्यायपूर्वक अर्थ प्राप्ति के उपायों में लगे रहे हैं। मोह ने हमे घेर लिया है, अभिमान ने हमें अंधा कर दिया है। लोग ने हमारी वृत्ति को बिगाड़ दिया है। मद ने हमें उन्मत्त बना दिया है। इसी से हम आज अहंकार, बल, दुर्प, काम, क्रोध का आश्रय लेकर सर्वभूतस्थित भगवान के साथ देश करने लगे हैं। इन आसुरी भावों का परिणाम नरक की यंत्रणाएं और अधम गति के सिवा और क्या हो सकता है? उपाय क्या है? उपाय है भगवदाराधन जिन लोगों को भगवान में कुछ भी विश्वास है है वे सबकी ऐसी वृद्धि होने के लिए भगवान से सरल श्रद्धायुक्त आकृविम प्रार्थना करें, उठते हुए भगवद् विखाज को अपने शुभ आचरण और सच्ची भक्ति के द्वारा फिर जमायें भगवत श्रद्धा के सूखते हुए वृक्ष की जड़ को सच्ची निर्भरता की अश्रुजल-धास से खींचे। आप्तवचनों पर श्रद्धा करें। ऋषिमुनियों को भान्त मानना छोड़ दे। जीवन को तप संयम से पूर्ण बनाकर भगवन कृपा का आश्रय ग्रहण करें। अटल विश्वास तथा परम श्रद्धा के साथ भगवान के श्रीचरणों की सेवा करें। और उनके पवित नाम का जाप करें। मनुष्य को सावधान होकर यह सोचना चाहिए कि यहां सभी योग-सुख अनित्य है, बिजली की भांति चंचल है। शरीर कच्चे घड़े के समान अचानक जरा सी ठेस लगते ही नष्ट हो जाने वाला है। इसलिये भोगों से मन हटाकर भगवान में प्रेम करें । संसार के लिए भगवान को भी न भुलाया जाए। भगवान के लिए संसार को छोड़ना पड़े तो आपत्ति नहीं, परंतु संसार के लिए भगवान कभी न छूटें। यदि मनुष्य इस प्रकार निश्चय कर ले तो पिर संसार को छोड़ने की भी जरूरत नहीं पड़ती सारा संसार भगवन्मय ही तो है।

आज भोगों के लिए तप होते है

हमारा पूरा जीवन ही भौतिकवादी हो गया है। ब्राह्म वस्तुओं के लिए, इन्द्रिय भागों के लिए वह बिक गया है। मांस के टुकड़ों के लिए चील-कौओं की भांति लड़ई होने लगी है। किसी जमाने में परमात्मा प्राप्ति के लिए तप किए जाते थे लेकिन आज भोगों की प्राप्ति के होते हैं। कभी भगवान के प्रति आत्म समर्पण होता था, आज भोगों की प्रतिमा पूजी जाती है। कभी देहरात्मबोहा छोड़कर ब्रह्मात्मबोध किया जाता था अब ब्रह्माबोध की जरूरत नहीं समझी जाकर उस रास्ते के पथिकों को भी देहात्मबोध की शिक्षा दी जाती है। बड़े-बड़े मनीषी तपस्वी संयसी पुस्ख भी आज भोगों की प्राप्ति करने-कराने के लिए जीवन की और धर्म की बाजी लगाये बैठे है। एवं इसी को धर्म समझा जा रहा है। पर योगपरायणता-इन्द्रिय सुख परता का परिणाम क्या होता है। मनुष्यों में राक्षसी भावों का उदय, हेप-हिंसा प्रविहिंसा का प्राबल्य, घोर अशोति और सुख के नाम पर दुःख पूर्ण जीवन यापन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भोग सुख और भौतिक सत्ता सामर्थ्य से सम्पन्न समुन्नत कहने वाले देशों की भी बुरी दशा है। परंतु इस दशा को देखना होगा ईश्वरामिमुखी ज्ञान सम्पन्न तप-वि-नेगों पर जाले तो छा ही गये है। चांहे वह बुरी-से बुरी हों ऐसा जादू छाया है कि उसने हृदय को ही पराया बना दिया। इसी के परिणाम-स्वस्व आज हम वहां के अनाचार में सदाचार पाप में पुन्य, स्वार्थन्यता में देशभक्ति, अवनति में उन्नति अधर्म में धर्म और पतन में उत्थान का विपरीत हृदय देख रहे है। और बस और उसी के प्रवर्तन की अन्धचेष्टा में तत्पर हैं।



प्रभु सर्वान्तर्यामी है

हृदय में परमात्मा का अनुभव हो जाने पर कण कण में वहीं नजर आता है यही सच्चा अनुभव है परमात्मा सम्पूर्ण दिव्य गुणों से युक्त होते हुए भी सम्पूर्ण गुणों से परे हैं निलिप्त है, इसलिए उन्हें निर्गुण कहा गया है बुद्धिप्रधान व्यक्ति ज्ञानमार्ग का आश्रय लेकर परमात्मा को निर्गुण मानता है परन्तु हृदयप्रधान भावुक भक्त परमात्मा को सगुण मानता है। निराधार नाम, रूप, गुण के अभाव में प्रभु तारतम्य कैसे हो सकता है ? प्रेमाभक्ति के द्वारा जीव भगवान से जुड़ जाता है भक्ति का अर्थ भगवान से योग बताया गया है। सम्पूर्ण जगत व्याप्त परमात्मा की सत्ता का ज्ञान तथा आनन्द हमारे संबंध को जगत से विभक्त करके भगवान के साथ संबंध कराते हैं यही भक्ति है। प्रेमपूर्वक भजन करना भक्ति है ऐसी स्थिति में भगवान के अलावा समस्त सांसारिक बंधन उसके लिए गौण हो जाता है। संसार में यदि भक्त का किसी और से कहीं भी संबंध है तो वह केवल भगवान के नाते ही है। भगवान के साथ सेवा प्रेम एवं विश्वास का संबंध जोड़ लेना ही भक्ति योग है। योग अर्थात हुडे रहना, अनवरत प्रयत्नशील रहना। चेतना अथवा अचेतावस्था प्रत्येक समय स्थायीस्व से भक्ति भावना का बने रहना शुद्ध भक्ति है। जैसे परिवार के सदस्यों के प्रति सोते, जागते, उठते, बैठते एक स्थायी प्रेम सदा बना रहता है। पुत्र पास हो या दूर, उसका प्रेम तो उतना ही रहता है। वह प्रेम विस्मृति से नष्ट नहीं होता। यह रागात्मक संसार है। भक्ति भी ऐसी ही होनी चाहिए। ऐसी भक्ति रखने वाले भक्त के पीछे स्वयं भगवान चक्कर लगाते हैं।निर्बल साधक के लिए शरणगत होकर प्रभु का स्मरण करना ही एकमात्र अवलम्बन रहता है जिस प्रकार मछली जल के लिए तड़पती है जैसे पुत्रशोक के विहल होकर माता पिता आकुल व्याकुल होते हैं उसी प्रकार सच्चा साधक प्रभु के लिए मन ही मन तड़पता रहता है। उसके लिए सुख दुख समान हो जाते हैं। वह सब कुछ कृष्णार्पण कर केवल भक्ति मांगता है उसे विश्वास रहता है कि प्रभु सर्वान्तर्यामी है वे जो कुछ करेंगे उसके हित में ही करेंगे।

मनुष्य सुख प्राप्ति के यत्न में उलझा

जिस और मन की गति होती है। उसी ओर प्राणशक्ति का प्रवाह होता है। यदि आप चुपचाप बैठे हुए अपने-आप में कुछ बाहर संसार की सोच रहे है। तो ऐसी सोच करने की अवस्था में आपका प्राण भी अपने ही प्रकार से कुछ घुटा-घुटा सा चलता है। परंतु जब आप चिंता रहित की अवस्था में बैठे है तो उस समय आपका प्राण भी बड़े आराम से चलता है। कारण कि मन बाहर की उलझन से रहित होकर किसी प्रकार की भी सोच न करता हुआ अपने आप में अंदर रहता है। जिस-जिस प्रकार से मनुष्य के अंदर भय,शोक, राग, द्वेष आदि का कोई ज्ञान होता है। तो उसी ज्ञान के द्वा से उसके अंदर उसकी प्राण शक्ति अथाति देह का काम चलाने वाली क्रियाशक्ति करती है। यदि आपका ज्ञान बाहर के प्राणी तथा पदार्थों में भटका हुआ है। तो समझें उसके साथ आपका ध्वास भी बाहर ही भटक रहा है। जब प्राण बाहर के ज्ञान के साथ, भटका हुआ है तो उसकी शक्ति भी बाहर ही भटकी हुई रहेगी। वह अपने अंदर एकत्रित नहीं हों पायेगी। यदि मन बाहर संसार से बिना किसी निमित्त के मुक्ति पा जाय तो उसका बाहर से मुक्त प्राण भी देह के अंदर एकत्रित होगा और उस प्राण शक्ति का अपने अंदर ही इकठ्ठा होने का सुख होगा, जैसा कि निंदा में होता है। परंतु बच्चे को तो बचपन से ही बाहर से प्राणी तथा पदार्थों के सहारे ही सुख लेने की आदत पड़ी हुई है। और इन तुच्छ सुखों के माप तथा अंतिम परिणाम के बारे में उसका कुछ भी ज्ञान नहीं है। यदि यह ज्ञान कोई मनुष्य अपने अंदर जगा ले कि बाहर के प्राणियों एवं पदार्थों से मिलने वाले सुख थोड़ी देर रहने वाले है। और उन्त में ये सुख-दुःखों में ही समाप्त होते है। तो इस प्रकार का अर्न्तज्ञान होने का नाम ही विवेक या सत्य का ज्ञान है। यदि इस ज्ञान से उसकी बाहर से मुक्ति हो जाय अर्थाति मन संसार में कहीं भी बंधा न रहे तों उसकी प्राणशक्ति भी अपने आप अंदर सुख भी प्रकट करेगी। परंतु मनुष्य बाहर संसार में ही उलझा-उलझा कर्म करता हुआ सुख प्राप्त करने का यत्न करता रहता है।

कर्म अपनी छाप छोड़ता है

मनुष्य बाह्य संसार में जो कुछ भी कर्म जैसे रिश्ते-नाते जोड़ना तथा कई प्रकार के पदार्थों के साथ ही उनको प्राप्त करने के लिए संबंध जोड़ना इत्यादि करता है या अभी तक उसने किया है, वे सब कर्म वही पर करने के साथ समाप्त नहीं जो जाते अर्थात प्रत्येक किया गया कर्म अपनी एक छाप अंदर छोड़ जाता है। अब उन सब किये गये कर्मों ने आपके अंदर एक ऐसी शक्ति खड़ी कर दी है। जिसको प्रकृति से बांधने वाला एक रस्सा भी कहते है। इस प्रकृति शक्ति के कारण बाहर का भटकना मनुष्य को अंदर ही अंदर आत्मा का सुख पाने के लिए खोखला कर देता है अर्थात असमर्थ बना देता है और उसकी अपना आपा कुछ खोया-खोया सा अनुभव में संसार में नहीं है। इस अवस्था में उस बाह्य संसार में अधिक भटक हुए मनुष्य को कोई सुख का अनुभव नहीं होता है, यही उसके अंदर दुख है। इस दुख से बचने के लिए वह फिर संसार में प्राणी तथा पदार्थों से ही संबंध जोड़ता है। ताकि दुख के स्थान पर वही पुरानी आदतों का कुछ सुख तो मिले। संसार के जिन प्राणियों एवं पदार्थों के संबंध में थोड़ा सुख मिला है मन के केवल उन्हीं की स्मृतियां अपने अंदर लिये बैठा है। और वह थोड़ा सा कभी मिला हुआ सुख उसके मन से अब उतरता ही नहीं है अर्थात मन के अंदर वह पुनः सुख लेने की लालच चिपकी हुई है जो कि बाह्य संसार में उसको बांधे हुए है। सुख को आप छोड़ दे तो उधर संसार का चिंतन ही समाप्त हो जाय और मन अपने आप में लौटना शुरूकर देगा। परंतु आलस्य, सुस्ती के कारण अविद्या में पड़ने के बाद प्रकृति तो उन्ही पुराने सुखों के संस्कार ही जगायेगी। जो अपने अंदर लिये बैठी है और बाहर संसार के प्राणी एवं पदार्थों की सोच करने के लिए प्रेरित करेगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे तुरंत बिना शर्त माफी मांगें : भाजपा

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक चर्चा के स्तर को गिराने का आरोप लगाया और बिना शर्त माफी की मांग की। खड़गे की विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, केसवन ने कहा कि यह राहुल गांधी की असभ्य, संस्कारहीन और जहरीली नफरत वाली राजनीति को दर्शाती है। उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री को खिलाफ बार-बार व्यक्तिगत हमले करने का भी आरोप लगाया। केशवन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमला करने वाली शर्मनाक टिप्पणियां, राहुल गांधी की असभ्य और अभद्र, नफरत से भरी राजनीति को ही दर्शाती हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सार्वजनिक विमर्श के स्तर को अभूतपूर्व रूप से गिरा दिया है।

मानहानि मामले में साक्ष्यों के अभाव में बरी हुए राहुल गांधी

सुल्तानपुर। गुहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला आया। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने मामले में राहुल गांधी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। राहुल इस मामले में पहले भी कोर्ट में पेश हो चुके थे। सोमवार को वह कोर्ट परिसर में 11 बजकर 19 मिनट में दाखिल हुए। 11 बजकर 33 मिनट में वह कोर्ट से बाहर आ गए। कोर्ट के फैसले पर राहुल गांधी के समर्थकों ने आभार प्रकट किया एवं खुशी जताई। कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्र ने साल 2018 में राहुल गांधी के जरिये गुहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणी से नाराज होकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मामले का ट्रायल एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा था। मामले मे बहस की कार्यवाही लम्बे समय बाद गत 13 अक्टूबर को पूरी हुई थी।

सपा-कांग्रेस को घुसपैठियों से प्यार, गरीबों से नफरत: योगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों पार्टियों पर घुसपैठियों का समर्थन करने और अपने शासनकाल में विकास कार्य न कर पाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी या समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का सीधे नाम लिए बिना, उन्होंने उन्हें छोटे मियां और बड़े मियां कहकर संबोधित किया। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कानपुर के बिठूर में लोगों को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि इन दोनों नेताओं को घुसपैठियों से तो लगाव है, लेकिन ये दलितों, वंचित समुदायों, किसानों और युवाओं का अनादर करते हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि दोनों पार्टियों को उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने का मौका मिला, लेकिन वे किसानों, गरीबों और युवाओं की समस्याओं को हल करने में विफल रहें।

सुवेंदु अधिकारी ने काँकरोच जनता पार्टी पर साधा निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर एक और तंज कसा, और जिन्हें वे दिमागी नक्सल और टुकड़े-टुकड़े गैंग कहते हैं, उन पर निशाना साधा। अधिकारी ने सीजेपी पर अपना हमला और तेज करते हुए कहा कि पीएम मोदी के साथ खड़े हों, दिमागी नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग और काँकरोचों को पनपने न दें। एक दिन पहले ही उन्होंने सीजेपी के कथित प्रभाव की तुलना कीड़ों और कोरोनावायरस के फैलने से की थी। पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की पिछली सरकार को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी, वह तुष्टीकरण की राजनीति करती थी और राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश में बदलने की योजना बना रही थी। उन्होंने आगे कहा कि यही वजह है कि उन्होंने राज्य के लिए एक अलग गीत बनाया, एक झंडा तैयार किया और बांग्लादेश के जय बांग्ला नारे को अपना लिया।

तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े : कनिमोझी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सांसद और उप महासचिव कनिमोझी ने सोमवार को तमिलनाा वेत्री कड़गम (टीवीके) की आईटी विंग की आलोचना का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में तमिलनाडु में स्थिरता आई है। चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, कनिमोझी ने आरोप लगाया कि राज्य एक तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहाँ पिछले पाँच महीनों में कमजोर वर्गों के खिलाफ अपराधों में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जब से तमिलनाा वेत्री कड़गम (टीवीके) सत्ता में आई है, पिछले पांच महीनों में तमिलनाडु के इतिहास में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ गए हैं। बच्चों के खिलाफ अपराध - जिनमें बच्चों का लापता होना, उनकी हत्या और उनके खिलाफ यौन हिंसा शामिल है - बढ़ रहे हैं। सिर्फ एक महीने में 10 से ज्यादा बच्चे लापता हो गए हैं। कनिमोझी ने हिंसा और लापता होने की ऐसी घटनाओं का जिक्र किया जिनकी जांच तक नहीं हुई।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को लेकर रक्षा मंत्री की नसीहत

कांग्रेस व्यक्तिगत मर्यादा की सीमाएं न लांघें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी को लेकर भाजपा उनसे बिन शर्त माफी की मांग कर रही है। वहीं, आज पूरे देश में भाजपा ने विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। इस पर अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह केवल किसी व्यक्ति या परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे भारत का अपमान है। यह राजनीति की गरिमा पर भी प्रहार है। लोकतंत्र में आप अपना विरोध जता सकते हैं, नीतियों पर सवाल उठा सकते हैं और सरकार की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन कृपया, व्यक्तिगत मर्यादा की सीमाएं न लांघें। मेरी यही सलाह है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज कांग्रेस न केवल राजनीतिक रूप से कमजोर हुई है, बल्कि मेरी नजर में वैचारिक रूप से भी उसका पतन हुआ है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता हर चीज पर नजर रखती है और सही समय आने पर इसका करारा जवाब देती है। मैं कांग्रेस को यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी टिप्पणियों से न तो विचलित होंगे और न ही जनता की सेवा करने के उनके संकल्प में कोई कमी आएगी।

स्टेल प्रमुख समाचार

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मैच आज

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026 को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 12:30 बजे शुरू होगा। भारत के पास इस मुकाबले में जीत दर्ज करके सीरीज अपने नाम करने का मौका है, जबकि न्यूजीलैंड की टीम घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर मुकाबले में वापसी करना चाहेगी। मंगलवार को वेलिंगटन में खेले जाने वाले इस मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पर खास निगाहें रहेंगी, जो चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद संघर्ष करते नजर आए हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम पिछली दो हार के बाद वापसी करने के इशारे से उतरेगी। भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च में खेले गए शुरुआती दोनों टी20 मुकाबले जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल की है। अब तीसरा मैच जीतकर भारत सीरीज अपने नाम करना चाहेगा। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत का सिलसिला 2020 से जारी है। चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार के लिए शुरुआती दोनों मुकाबले अच्छे नहीं रहे। उन्होंने क्राइस्टचर्च में अपने चार-चार ओवर के स्पेल में क्रमशः 49 और 50 रन खर्च किए। ऐसे में तीसरे टी20 में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें होंगी। गेंदबाजी कोच मोरें मोर्केले ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करना आसान नहीं होता और खिलाड़ी पर चपन से जुड़ी उम्मीदों का दबाव भी रहता है। भारत ने शुरुआती दो मुकाबलों में 13 खिलाड़ियों को आजमाया है। चोटिल ईशान किशन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिला, जबकि दूसरे मैच में डेथ ओवर विशेषज्ञ प्रिंस यादव ने मर्याक यादव की जगह ली। मुख्य कोच गौतम गंभीर की ओर से तिलक वर्मा, नमन धीर और नीतीश कुमार रंडू को मध्यक्रम में इस्तेमाल करने की रणनीति अब तक कारगर रही है।

कहा कि खरगे को कई मौकों पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने उत्तराखंड में हुए एक कार्यक्रम के दौरान खरगे के संबोधन से पहले कथित तौर पर हुए शुद्धिकरण अनुष्ठान का भी जिक्र किया। खेड़ा के मुताबिक, बिहार के कार्यक्रम में भी एक भाजपा समर्थक ने खरगे के भाषण के दौरान टिप्पणी की थी कि उनके पिता भी आ जाएं, तब भी मोदी नहीं हारेंगे। कांग्रेस के मुताबिक खरगे ने इसी टिप्पणी के जवाब में अपनी बात रखी थी।

बता दें बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर राजधानी पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह पूरा विवाद शुरू हुआ। कार्यक्रम में खरगे के भाषण के बीच एक व्यक्ति ने कथित तौर पर कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं। इसी बात का जवाब देते हुए खरगे ने कहा, मोदी के बाप भी चले जाएंगे। कांग्रेस नेता के इस बयान को भाजपा ने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के प्रति अपमानजनक बयाना और इसे लेकर विरोध शुरू कर दिया।



और हम पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने 200 सीटों की मांग की है। इसके पीछे उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन का हवाला दिया है, जब पार्टी ने उत्तर प्रदेश में छह सीटों पर जीत हासिल की थी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने चार श्रेणियों के आधार पर इन सीटों की पहचान की है। पार्टी का मुख्य ध्यान उन सीटों पर है, जहां विधानसभा क्षेत्रों के स्तर पर उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था। कांग्रेस को उम्मीद है कि 15 नवंबर तक सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तय हो जाएगा, जिससे सभी उम्मीदवारों को विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। हालांकि, समाजवादी पार्टी कांग्रेस को केवल 60 से 70 सीटें देने पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है। वहीं, पिछले चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। 2017 के चुनावों में, पार्टी ने 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से वह केवल सात सीटें ही जीत पाई। 2022 के चुनावों में, कांग्रेस ने 399 सीटों पर किस्मत आजमाई, लेकिन उसे केवल दो सीटों पर ही जीत मिली। इसे देखते हुए, समाजवादी पार्टी सीटों का बड़ा हिस्सा अपने पास रखना चाहती है और हो सकता है कि वह कांग्रेस को बहुत कम सीटें देने का प्रस्ताव दे।

सेंसेक्स की 483 अंकों की छलांग, निफ्टी 22,750 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में लगातार चार दिनों से जारी बिकवाली और निवेशकों की संपत्ति में लगे भारी झटके के बाद सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 को जोरदार वापसी देखने को मिली। शुक्रआती कारोबार में दर्ज हुई भारी गिरावट से उबरते हुए सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तरों से लम्बांग 2 प्रतिशत की तीखी रिकवरी दर्ज की। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयर्स वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 482.92 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,606.75 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 153.21 अंक या 0.68 प्रतिशत चढ़कर 22,753.20 के स्तर पर सफलतापूर्वक बंद होने में कामयाब रहा। स्टॉक-स्पेसिफिक एक्शन की बात करें तो मेटल और एक्सचेंज स्पेस के प्रमुख शेयरों में तगड़ी खरीदारी दर्ज की गई।

सरुदी अरब पर हमलों से तेल बाजार में बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार (26 अक्टूबर) को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिनों में करीब छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की, जिससे तेल के भाव नीचे आ गए। हालांकि, सरुदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी क्रूड डब्ल्यूटीआई की कीमत 1.60 डॉलर यानी 1.55% गिरकर 101.67 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.56 डॉलर यानी 1.34% टूटकर 115.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। पिछले शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड के भाव में करीब 3 डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी।

नोकिया ने एलएंडटी टेक्नोलॉजी के साथ सहयोग की घोषणा की

नई दिल्ली। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार की घोषणा की। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अनुबंध के तहत एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। विज्ञप्ति में अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीडीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी। एलटीडीएस नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग के लिए भारत में एक समर्पित ऑफिशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी।

एफडी में पैसा लगाने वालों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने वालों के लिए इंडियन बैंक ने अच्छी खबर दी है। बैंक ने अपनी दो स्पेशल एफडी स्कीम्स की ब्याज दरों में 15 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के बाद 555 दिन की ‘इंड प्रो’ एफडी पर ब्याज दर बढ़कर 6.80% हो गई है, जबकि 777 दिन की ‘इंड प्रॉस्पर’ स्कीम पर अब 6.75% ब्याज मिलेगा। बैंक की नई दरें 23 अक्टूबर 2026 से लागू हो चुकी हैं। ब्याज दरों में इस बदलाव से उन निवेशकों को फायदा हो सकता है, जो कम समय में बेहतर रिटर्न पाने के लिए सुरक्षित निवेश विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि, निवेश करने से पहले अलग-अलग बैंकों की ब्याज दरों और जमा अवधि की तुलना करना जरूरी है। इंडियन बैंक की नई दरें सरकारी बैंकों के बीच इसे एक प्रतिस्पर्धी विकल्प बनाती हैं।

आर्थिक मोर्चे पर विकास के सकारात्मक संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विपरीत वैश्वक परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर की रेटिंग संस्थाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिमान स्वीकार करते हुए वैश्विक औसत से लगभग दो गुणी विकास दर रहने की संभावना जताई है। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि वैश्विक परिस्थितियों में कहीं और किसी तरह का सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। ईरान-अमेरिका युद्ध हो या रूस-यूक्रेन युद्ध हो या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तानाशाही पूर्ण तुलनकी निर्णय हो या कच्चे तेल के भावों में बेतहासा बढ़ोतरी और हार्मुज का संकट हालात समूचे विश्व में विकट से विकटतर बने हुए हैं। अब तो फ्रांस के हालात भी बिगड़ते जा रहे हैं तो उसका असर जहां योरोप में दिखाई देगा वहीं भारत में भी हालात को प्रभावित करने के कतिपय प्रयास जारी हैं। अच्छी बात यह है कि देश-दुनिया के गंभीर हालातों के बावजूद आर्थिक

क्षेत्र की दुनिया की लगभग सभी रेटिंग संस्थाओं ने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट को लेकर आशा से भी अधिक विश्वास जताया है। रेटिंग संस्थाओं की ही माने तो 2026 की वैश्विक औसत आर्थिक विकास दर 3 दशमलव 1 फीसदी रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है वहीं दुनिया की रेटिंग संस्थाओं ने भारत के आर्थिक परिणामों को देखते हुए जुलाई की तुलना में अक्टूबर अंते आते ग्रोथ को 6 दशमलव 9 से लेकर 7 दशमलव 1 रहने की उम्मीद जताई है। खास बात यह है कि विश्व रेटिंग संस्थाओं में से किसी भी संस्था ने जुलाई की रेटिंग की तुलना में नकारात्मक ग्रोथ नहीं दिखा कर ग्रोथ रेट में इजाफा ही जाहिर किया है। इकोनॉमिकबुकस लें

दरअसल देश में मांग और आपूर्ति से लेकर निर्यात तक में लगातार विकास देखा जा रहा है। देश में मांग और आपूर्ति की बेहतर हालात है तो निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज



की जा रही है। यह भी तब जब वैश्विक मांग कमजोर देखी जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि एमएसएमई सेक्टर में लगातार अच्छा काम हो रहा है तो दूसरी और सर्विस सेक्टर में तो एक्ये तरह से लगातार उछाल ही आ रहा है। कच्चे तेल के भावों में तो जैसे आग ही लग रही है और उपलब्धता को लेकर भी लाख झंझट के बावजूद हकोनोमी को बूस्टअप रखने में खास बाधा नहीं आ रही है। देश में देसी-विदेशी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महंगाई के बावजूद बाजार में मांग बरकरार है। बाजार में मांग से यह साफ है कि लोगों की क्रय शक्ति बनी हुई है।

सर्विस सेक्टर में टूरिज्म, बैंकिंग, आईटी, और इसी तरह के अन्य क्षेत्र उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। नवंबर में दीपावली के त्यौहार के चलते बाजार और अधिक गतिशील हो जाएगा क्योंकि दीपावली पर बाजार में तेजी आती ही आती है। जानकारों की माने तो नवंबर माह में दीपावली पर 7 लाख करोड़ का कारोबार अनुमानित किया जा रहा है। यह पिछली दीपावली की तुलना में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक अधिक रहने की संभावना है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र में भी अच्छी ग्रोथ जारी रहने का अनुमान है। इसके अलावा विपरीत हालातों के बावजूद निर्यात में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश की इकोनोमिक ग्रोथ के कारण देसी-विदेशी निवेश के बेहतर हालात दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चाहे आईएमएफ, हो या मूडीज, ओईसीडी हो या एएसएण्डपी या फिच सभी ने भारत की इकोनोमी की ग्रोथ को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। भारत का

आरबीआई का आंकलन तो पहले से ही सबके सामने हैं। एकमात्र फिच रेटिंग संस्था ऐसी है जिसने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट 6.9 प्रतिशत आंकी है जोकि हालांकि पूर्व की फिच की ही पूर्व की रेटिंग 6.5 प्रतिशत से ही अधिक है। मूडीज सहित कुछ रेटिंग संस्थाओं ने जहां अब 7 प्रतिशत विकास दर आंक रहे हैं तो बर्लंड बैंक, ओईसीडी आदि संस्थाओं को चलाइ है कि भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक यानी की 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नित नए निर्णयों से दुनिया की अर्थ व्यवस्था पर पड़ रहे असर, युद्ध और तनाव के हालातों में सुधार नहीं होने, हार्मुज जैसी समस्या का समाधान नहीं होने, वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता के दौर के बावजूद एक ही संधी हुई नीति का ही परिणाम है कि देश की अर्थ व्यवस्था विकास की गति को ना केवल बनाए हुए हैं अपितु उसकी विकास का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है।

आईटीएम विवि के 11वें दीक्षांत समारोह में नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर राज्यपाल ने दिया जोर

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम, अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें : रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं से अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदलने, नवाचार को अपनाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं के विचार देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। स्टार्टअप की संभावनाएं अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों में भी नए उद्यम आकार ले रहे हैं। युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका आज आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, चार शोधार्थियों को पीएचडी तथा 464 विद्यार्थियों को स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप और



उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देकर नए उद्यम शुरू कर सकते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी क्षमता, ज्ञान और रचनात्मकता के बल पर रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें। अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदलें, अपनी जगह स्वयं बनाएं और सफलता के बाद समाज को न भूलें। उन्होंने कहा कि समाज

ने प्रत्येक व्यक्ति को बहुत कुछ दिया है, इसलिए समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव हमेशा बना रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन की एक पारी के समापन और दूसरी पारी की शुरुआत का प्रतीक है। आगे का जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा हो सकता है, लेकिन मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास से उनका सामना किया जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि के क्षेत्र में करियर बनाना चाहिए, जिससे

उन्हें संतुष्टि मिले और वे सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि अर्जित ज्ञान और कौशल के माध्यम से परिवार, समाज और देश के प्रति दायित्व निभाने का अवसर है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि सही-गलत का विवेक विकसित करना और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। युवाओं को डिग्री को अंतिम मंजिल नहीं मानना चाहिए, बल्कि निरंतर सीखने और नए प्रयोग करने की प्रवृत्ति बनाए रखनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज के विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मोबाइल के युग में आगे बढ़ रहे हैं। इन तकनीकों के पीछे भी मानवीय बुद्धि का योगदान है। उन्होंने डिजिटल लत और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से युवाओं को दूर रहने की सलाह दी। जल्द ही के अनुसार ही मोबाइल का उपयोग करने तथा रिवरार, मित्रों और समाज के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन से हमारा विश्वास और मजबूत हुआ : देव

पार्टी की रणनीति व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने भाजपा की दो दिनों तक चली बैठकों के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दो दिवसीय प्रवास में हम सबको महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला है। संगठन की दृष्टि से यह बेहद ही अहम बैठकें रही हैं जिनमें हमने पार्टी की रणनीति व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी एवं सह-प्रभारी सिद्धार्थ शंभु ने विभिन्न सत्रों में लगभग 12 श्रेणियों की बैठकें ली हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस के पास काफी समय है, इसलिए कांग्रेस पार्टी कुछ कर नहीं रही है; लेकिन भ्रामक प्रचार करने वाली एजेंसी का रूप ले चुकी है। हमारी बैठकों में क्या हो रहा है, कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने के लिए काल्पनिक



कहानियाँ रच रही है जिनका सत्य से कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस तरह से भाषायी गरिमा को तार-तार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के संदर्भ में जो बातें कहीं उसकी जिसकी निंदा की जाए कम है। कांग्रेस के संस्कार में किसी भी का अपमान करना पहली प्राथमिकता है। संस्कारहीन लोगों से क्या उम्मीद कर सकते हैं। उनके बयान से समूचा देश

व्यथित है। देव ने कहा कि लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान की समीक्षा भी बैठक के दौरान हुई, जिसके आगामी कार्यक्रम पर बिन्दुवार चर्चा हुई। श्री देव ने कहा कि हम सबको केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं और राज्य सरकार की जनहिताधीन योजनाओं एवं कार्यों को जन-जन तक और मजबूती से पहुँचाना है।

लोकभवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ जसकरण सिंह के पांच गोलों के बावजूद बैलाडीला बुल्स जीत से दूर, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने 5-5 से ड्रॉ कराया मुकाबला



अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली ईमानदारी और पारदर्शिता की शपथ

रायपुर। लोकभवन में आज से सतर्कता जागरूकता सप्ताहकी शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर लोकभवन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रशासनिक

कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शपथ ली। यह जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की उप सचिव सुश्री निधि साह ने लोकभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता हमारी

साझा जिम्मेदारी की शपथ दिखाई। सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करने का संकल्प लिया। भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था को बढ़ावा देना है उद्देश्य' सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य शासकीय

कार्यों में पारदर्शिता को बढ़ाना, कार्यप्रणाली में निष्ठा सुनिश्चित करना और एक भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासनिक व्यवस्था की नींव को मजबूत करना है। इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सतर्कता के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी।

जसकरण सिंह के पांच गोलों के बावजूद बैलाडीला बुल्स जीत से दूर, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने 5-5 से ड्रॉ कराया मुकाबला

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में आज खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और बैलाडीला बुल्स के बीच मैच 5-5 से ड्रॉ रहा। बैलाडीला बुल्स के जसकरण सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले पांच गोल दागे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया और प्रतियोगिता में अपना पहला अंक हासिल किया। शमशेर और चिंगलेनसना सिंह के नेतृत्व वाली दोनों टीमों को टूर्नामेंट में अब भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। यह मुकाबला रोमांचक उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के लिए यादगार बन गया। विधायक धरमलाल कौशिक, सारडा के हेड ऑफ ऑपरेशंस मनोज शहा और छत्तीसगढ़ जूडो संघ के अध्यक्ष श्री अरुण



द्विवेदी भी इस रोमांचक मैच को देखने मौजूद थे। मैच के दोनों हाफ में खेल का अलग-अलग रंग देखने को मिला। पहले हाफ में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का दबदबा रहा। आर्यन खेस और आशीष तानी पूर्ति ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लेकिन दूसरे हाफ में जसकरण सिंह ने अपने आक्रामक खेल से मुकाबले का रुख ही बदल दिया। उन्होंने दो पेनल्टी कॉर्नर और

एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। मुकाबले में लगभग हर पांच मिनट में खेल का रुख बदलता नजर आया। एक समय संस्कारधानी स्ट्राइकर्स की टीम बेहद मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही थी और बैलाडीला बुल्स का आक्रमण पूरी तरह बेअसर नजर आ रहा था। लेकिन कुछ ही देर में परिस्थितियां बदल गईं। स्ट्राइकर्स की रक्षापंक्ति दबाव में आ गई, जिसका फायदा उठाते हुए बुल्स ने लगातार दो गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। मैच समाप्त होने में केवल पांच मिनट शेष थे और स्कोर 4-4 की बराबरी पर था। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला इसी स्कोर पर समाप्त होगा, लेकिन जसकरण सिंह ने एक बार फिर कमाल दिखाया। उन्होंने शानदार टॉमहॉक शॉट लगाकर अपना पांचवां गोल दागा और बैलाडीला बुल्स को 5-4 की बढ़त दिला दी।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने किया रायपुर-बिल्हा रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया



रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने रायपुर मंडल के रायपुर-बिल्हा रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिल्हा भाटापारा स्टेशन एवं महत्वपूर्ण संरचनाओं का गहन निरीक्षण करते हुए रेल संरक्षा, यात्री सुविधाओं, स्टेशन विकास, निर्माण कार्यों एवं परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक ने फाटक क्रमांक 375 पर बन रहे निर्माणधीन रोड अंडर ब्रिज के कार्यों को देखा, बिल्हा रेलवे स्टेशन में चौथी नई रेल लाइन एवं निर्माणधीन नई बिल्हा रेलवे स्टेशन बिल्डिंग को देखा। भाटापारा में रेलवे कॉलोनी में निरीक्षण किया। भाटापारा स्टेशन में चल रहे अमृत भारत योजना के तहत चल रहे निर्माणधीन कार्यों की व्यवस्था एवं कार्य योजनाओं की समीक्षा की।

पटवारियों की हड़ताल से किसान परेशान : कांग्रेस

रायपुर। पटवारियों की हड़ताल से किसान परेशान है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार पटवारियों की हड़ताल खत्म करने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही, ऐसा लग रहा कि सरकार नहीं चाहती कि पटवारियों की हड़ताल खत्म हो इसीलिए सरकार हड़ताल समाप्त नहीं करवाना चाह रही है। धान खरीदी के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक निर्धारित है। पटवारियों की हड़ताल के कारण 31 अक्टूबर तक सभी किसानों का पंजीयन कैसे हो पायेगा? धान खरीदी के लिए पंजीयन का काम चल रहा है, लेकिन फौती काटना बंद होने और राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं होने से किसान तहसील कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पटवारी प्रतिवेदन के बिना तहसीलदार और एसडीएम कार्यालयों में राजस्व के प्रकरण लंबित हो गए हैं। धारा 115 के तहत लाखों प्रकरण पहले से ही शीर्ष कार्यालयों में लंबित हैं और अब नए प्रतिवेदन ही नहीं पहुंच रहे हैं। फौती, नामांतरण, बंटवारा और त्रुटि सुधार के लिए किसानों को भटकना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में यदि रिकॉर्ड समय पर दुरुस्त नहीं हुआ तो हजारों किसानों को धान बेचने से भी वंचित होना पड़ सकता है।

महतारी वंदन से माधुरी के हुनर को मिला संबल, गढ़ रही मिट्टी के दीये

रायपुर। त्योहारों की रौनक तब और बढ़ जाती है, जब मेहनत के साथ आत्मनिर्भरता का भरोसा भी जुड़ जाए। बलौदाबाजार नगर के वार्ड क्रमांक 18 की श्रीमती माधुरी पाडे के लिए इस दीपावली का उत्साह कुछ ऐसा ही है। वह अपने हाथों से मिट्टी के दीये बना रही हैं। कुम्हारी का पारंपरिक हुनर उनके परिवार की आजीविका का हिस्सा है और महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहायता बन रही है। श्रीमती माधुरी पाडे, पति श्री हरिकृष्ण पाडे के साथ विवाह के बाद से ही कुम्हारी के काम में सहयोग कर रही हैं। मिट्टी को आकार देकर उपयोगी और पारंपरिक वस्तुएं बनाना उनके परिवार का पुराना काम है। पहले अपनी छोटी जरूरतों के लिए उन्हें पति पर निर्भर रहना पड़ता था। अपनी आवश्यकताएं स्वयं पूरी करने की इच्छा थी, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह आसान नहीं था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता से उन्हें आर्थिक संबल मिला है। अब वह अपनी आवश्यकताओं के लिए इस राशि का उपयोग कर पाती हैं।

भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ में महिलाएं असुरक्षित : कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में अपराध अनकंट्रोल हो गया है तथा महिलाएं असुरक्षित हो गयी हैं। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि राज्य में महिलाओं के प्रति अपराध चिंतनीय स्तर तक बढ़ गये हैं। गृह मंत्री ने विधानसभा में जो अपराध के आंकड़े दिये हैं उसके अनुसार प्रदेश में हर एक साल के भीतर 3191 बलात्कार की घटनाएं हुई हैं, इस हिसाब से रोज प्रदेश में 8 से 9 दुराचार की घटनाएं हो रही हैं। अर्थात राज्य में हर 3 घंटे में एक महिला दुराचार की शिकार हो रही है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद सरकार महिलाओं को भयमक सुरक्षित जीवन जीने का वातावरण देने में असफल साबित हुई है। वर्ष 2025-2026 में छत्तीसगढ़ में हुई अपराध की घटनायें डराने वाली हैं। छत्तीसगढ़ में हर पांच घंटे में एक नाबालिक से रेप हो रहा है और प्रतिदिन 9 महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है। प्रदेश में एक साल में 3191 बलात्कार, प्रतिदिन 9 बलात्कार की घटना, 1114 हत्या, प्रतिदिन 3 हत्या, 458 लुटपाट, प्रतिदिन 2 लुटपाट, 3644 अपहरण प्रतिदिन 10 अपहरण, 7960 चोरी प्रतिदिन 21 चोरी, 56 डकैती प्रतिमाह 5 डकैती की घटनाएं हुई हैं।

मुख्यमंत्री साय की पहल से श्रद्धालुओं की मनोकामना हो रही पूरी

रायपुर। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी काशी के दर्शन करने की इच्छा हर श्रद्धालु के मन में होती है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों और अन्य परिस्थितियों के कारण अनेक लोगों का यह सपना अधूरा रह जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल पर सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना ऐसे श्रद्धालुओं की वर्षों पुरान मनोकामनाओं को साकार कर रही है। सारागढ़-बिलाईगढ़ जिले के श्रद्धालुओं के लिए यह योजना धार्मिक आस्था के साथ खुशियों और अविस्मरणीय अनुभवों की सीमागत लेकर आई है। योजना के अंतर्गत जिले के 30 श्रद्धालुओं ने 21 से 24 अक्टूबर तक चार दिवसीय निःशुल्क तीर्थ यात्रा में अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। भगवान श्रीराम और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था। उन्होंने यात्रा को जीवन का यादगार अनुभव बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

26वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य समापन, विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

हार-जीत से किसी की काबिलियत कम नहीं होती : महापौर

अंबिकापुर। खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन मन में सुनहरी यादें छोड़कर गया। संभागीय मुख्यालय- अंबिकापुर जिला सरगुजा में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का समापन समारोह आज मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 404 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने विभिन्न खेल विधाओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत और सम्मानित किया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है। खेल प्रतियोगिता में शामिल होकर खेलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। आप सभी अपनी प्रतिभा और काबिलियत के दम पर यहां तक पहुंचे हैं। हार और जीत

का अंतर किसी की काबिलियत को कम नहीं करता। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने आसपास की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

इस इसके अलावा महापौर ने सभी छात्र छात्राओं को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आप सभी खूब मेहनत करें और राष्ट्रीय खेलों प्रतिस्पर्धाओं में अपनी सहभागिता दे और राज्य के साथ अपने स्कूल, शिक्षक और माता पिता सभी का नाम रोशन करें।

प्रतियोगिता के अंतिम परिणामों के अनुसार बैडमिंटन 17 वर्ष बालक वर्ग में दुर्गा प्रथम, रायपुर द्वितीय और बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में 17 वर्ष में दुर्गा प्रथम, रायपुर द्वितीय और सरगुजा तृतीय स्थान पर रहा। बैडमिंटन 19 वर्ष बालक वर्ग में दुर्गा प्रथम, रायपुर द्वितीय और बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा, जबकि बालिका वर्ग में बस्तर प्रथम, दुर्गा द्वितीय और सरगुजा तृतीय स्थान पर रहा।

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की प्रभारी श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी छत्तीसगढ़ आई हैं। वे कल से भाजपा कार्यालय में बैठकें ले रही। खबरें आई कि बिना बुलाए मिलने वाले को फटकार लगा रही है। एक फरमान भी जारी हुआ है कि कोई भी बिना बुलाए पार्टी कार्यालय नहीं आएगा। जिस कार्यकर्ता के दम पर सरकार में आए है आज उन्होंने कार्यकर्ताओं से परहेज क्यों। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किसी भी दल के पार्टी दफ्तर में पहला हक कार्यकर्ता का होता है। विश्व में रहते कार्यकर्ता को देवतुल्य बताने वाले आज सत्ता में हैं तो कार्यकर्ता

को पार्टी दफ्तर नहीं आने देना चाहते। यह भी खबर आई है कि स्मृति ईरानी के सामने वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के खिलाफ खूब भड़सा निकाला है। सरकार के भ्रष्टाचार को ले कर खूब शिकायतें भी हुई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज के अखबार

में खबर छपी है कि चावल की कीमत 30 रु., दाल 50 रु., मंहंगी शक्कर की कीमत बढ़ गयी है। स्मृति ईरानी मंहंगी के खिलाफ आंदोलन करके सुर्खियों में रही है। 13 रुपए प्रति किलो शक्कर का वायदा उन्होंने ही किया था, अब अवसर है अपने वायदे निभाये, प्रदेश की जनता झोला लेकर खड़ी है। गैस, सिलेंडर के बढ़ते दामों के खिलाफ सिलेंडर उठाये हुये उनकी तस्वीर खूब वायरल हुई थी। आज गैस, खाद्य तेल, शक्कर, राशन सामग्री, कपड़ा, साबुन, दवाई सभी के दाम बेतहाशा बढ़े गये है। जब स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ आ रही है तो मंहंगी पर उनसे जवाब मांगने का समय है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHMHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/11/10, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.